कोटद्वार, मंगलवार
28 अप्रैल 2026
वर्ष: 49
अंक: 9 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

गिरफ्तारी से बचने 'सुप्रीम' शरण में पवन खेड़ा

● असम सीएम हिमंता की पत्नी पर लगाए थे गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा एंटीसिपेटरी बेल की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वह असम के मुख्यमंत्री हिमंता की पत्नी द्वारा एफआईआर मामले में एंटीसिपेटरी बेल के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। गौरतलब है कि पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंता की पत्नी रिंकी भुइयां के पास तीन देशों का पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था। इसके बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने काफी आक्रामक जवाब दिया था। इससे पहले गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के

बाद कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई थी। शनिवार को पार्टी की तरफ से कहा गया कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है। साथ ही उम्मीद जताई कि उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी। पवन खेड़ा ने हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां ने खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने खेड़ा को सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस ने इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश पारित कर ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी और खेड़ा को गुवाहाटी उच्च न्यायालय जाने को कहा था। गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि यदि खेड़ा ने ये आरोप मुख्यमंत्री के खिलाफ लगाए होते, तो यह मामला राजनीतिक बयानबाजी माना जा सकता था।

कर्नाटक में फिर सीएम बदलने की चर्चा तेज

● शिवकुमार बोले-हाईकमान जो कहेगा सिद्धारमैया मानेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर से मुख्यमंत्री परिवर्तन की चर्चा तेज है। हालांकि दिल्ली में पार्टी हाईकमान से चर्चा करके वापस लौटे डिप्टी सीएम शिवकुमार ने हमेशा की तरह इस बार भी पार्टी के भीतर किसी भी तरह के मतभेद की खबरों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार में कोई समस्या नहीं है। कर्नाटक का नेतृत्व किसके पास होगा इसके बारे में जल्दी ही पता चल जाएगा। बता दें, शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद सीएम बदलने की चर्चाएं तेज हैं। दिल्ली में पार्टी हाई कमान से हुई मीटिंग के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा, हाई कमान ने क्या फैसला किया है। इसके बारे में

आपको जल्दी ही पता चल जाएगा। इसलिए मैं आपको यह नहीं बताऊंगा। वे (पार्टी हाईकमान) सही समय पर जो सही होगा वही करेंगे। मुझे उन पर पूरा भरोसा है। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी हाईकमान के फैसले के ऊपर सीएम सिद्धारमैया के रिएक्शन पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हाई कमान जो भी फैसला लेगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया उसे स्वीकार करेंगे। इसमें कोई भी परेशानी नहीं है। सरकार के तीन साल पूरे होने के करीब संभावित नेतृत्व परिवर्तन की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की। मैंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की है। मुख्यमंत्री और मैंने दोनों ने कहा है कि उच्च नेतृत्व जो भी और जब भी निर्णय करेगा, हम उसे स्वीकार करेंगे और उसका पालन करेंगे। बता दें, पिछले 6 महीने से कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लगातार चर्चा होती रही है। खासतौर पर नवंबर 2025 में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद लगातार यह खबर तेज हुई थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस हाई कमान ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को यह विवाद सुलझाने के लिए कहा। इसके बाद सीएम के घर नाश्ते पर दोनों नेता मिले।

प्रचंड गर्मी, आसमान से बरस रहे आग के शोले

● दिल्ली-यूपी एमपी और राजस्थान में आग उगल रहा पारा

महाराष्ट्र के अकोला में पारा 46.9,देश में सबसे गर्म रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रचंड गर्मी ने पूरे भारत की नींद उड़ा रखी है। अप्रैल में ही देश के कई जगहों पर पारा 40 डिग्री के पार चला गया है। वहीं, देश अभी से ही भीषण लू चलने लगी है, जिससे देश के कई शहर बेहद गर्म हो गए हैं। भारतीय मौसम विभाग ने हीटवेव यानी लू को लेकर चेतावनी दी है कि यह स्थिति उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले तीन दिनों तक बनी रहेगी। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ क्षेत्र, बिहार और गुजरात में यही हालात बने रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, झांसी, ओरछा और बालनगीर भारत के सबसे गर्म शहरों में से हैं। वहीं, विंडीडॉट कॉम के अनुसार, सोमवार दोपहर तक नई दिल्ली, अहमदाबाद और गुना का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं, नागपुर का पारा 42 डिग्री तक चढ़ गया था। बाकी धनबाद, प्रयागराज का तापमान 40 डिग्री के करीब यानी 39 डिग्री तक पहुंच चुका है। दिन में ये तापमान और बढ़ना तय है।

बिहार में गर्मी से 2 और आंधी-बिजली से 5 मौतें- देश में भीषण गर्मी जारी है। राजस्थान, यूपी और महाराष्ट्र के 7 शहरों में रविवार को तापमान 46 डिग्री के पार चला गया। महाराष्ट्र का अकोला 46.9 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। अमरावती 46.8, बांदा 46.6, वर्धा और बाड़मेर 46.4, जैसलमेर और यवतमाल 46 डिग्री तापमान के साथ हीटवेब की चपेट में हैं। यूपी के 60 जिलों में लू का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पहली बार तापमान 45 पहुंचा। इंदौर-भोपाल में भी पारा 43 पर बना हुआ है।

उत्तराखंड के देहरादून में गर्मी के चलते 12वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बिहार के 8 जिलों में रविवार को पारा 40एष्ट के पार चला गया। यहां गर्मी से दो मौतों की खबर है। नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में आंधी और बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे 100 गर्म शहरों में से 95 शहर भारत में ही हैं। इसमें मध्य भारत से होकर गंगा के मैदानों तक कई शहरों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। वहीं, कहीं-कहीं यह 45 डिग्री के पास पहुंच सकता है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच हो गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

● अब सभी एक्सपोर्ट पर ड्यूटी जीरो हुई, 5000 भारतीयों को वर्किंग वीजा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) साइन हो गया है। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया। वहीं मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत बताया है। पीयूष गोयल ने कहा कि यह विश्वास,साझा मूल्यों और साझा विजन को दर्शाता है।

न्यूजीलैंड 15 साल में भारत में 1.8 लाख करोड़ का निवेश करेगा

एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़) का निवेश आने की उम्मीद है।

5 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को वर्किंग वीजा मिलेगा

सर्विस सेक्टर में भारत ने शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे। एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है।

न्यूजीलैंड को कृषि उत्पादों पर रियायत

डेयरी पर छूट नहीं

न्यूजीलैंड को भारतीय बाजार में पहुंच देने के लिए भारत ने अपनी 70 फीसदी टैरिफ लाइन्स खोल दी हैं। इसमें सेब, कीवी फ्रूट और मनुका हनी जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें दी गई हैं, लेकिन ये कोटा लिमिट और मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस की शर्तों के साथ होंगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड को भारत में अपने 54 फीसदी से ज्यादा एक्सपोर्ट पर तुरंत शून्य ड्यूटी मिलेगी। इसमें शीप मीट, ऊन, कोयला और फॉरेस्ट्री प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

ट्रंप पर तो गोली चलनी ही थी, भारत में भी ऐसा ही माहौल

महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक वडेट्टीवार का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में हुई गोलीबारी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को निशाने पर लिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके शासन करने के तरीके को देखते हुए ये होना ही था। रिपोर्ट के

अनुसार, उन्होंने इसकी तुलना भारत से भी की। कांग्रेस के पांच बार के विधायक वडेट्टीवार ने कहा, ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अपना दबदबा बनाने और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश की। जैसी करनी, वैसी भरनी... चूंकि चीजें वैसी नहीं हुईं जैसी उन्होंने उम्मीद की थी, इसलिए ऐसा होना ही था। **भारत में भी लोगों का मिजाज ऐसा ही-** उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप के फैसलों से अमेरिका को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा कि भारत में भी लोगों का मिजाज कुछ अलग नहीं है। हालांकि, वडेट्टीवार ने किसी का नाम नहीं लिया।

जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

● केजरीवाल बोले-उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'शराब नीति घोटाला मामले में मैं हाईकोर्ट में न खुद पेश होऊंगा और न ही कोई मेरी तरफ से दलीलें रखेगा। उन्होंने कहा, हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। पूर्व सीएम ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर भी लिखा। इसमें कहा, 'मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। इसकी वजह है कि

जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील के पैनल का हिस्सा हैं। इसमें साफ तौर पर हितों का टकराव दिखता है।' उन्होंने कहा, 'सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच करीब 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।' दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में निचली अदालत ने केजरीवाल समेत 24 आरोपियों को बरी कर दिया है। सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस केस की सुनवाई कर रही हैं। केजरीवाल उन पर हितों के टकराव का आरोप लगा रहे हैं।

उत्तराखंड में ओलावृष्टि का 'ऑरेंज' अलर्ट

देहरादून। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य में 28–29 अप्रैल के लिए गर्मी का 'येलो' अलर्ट और ओलावृष्टि का 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। इस बीच देहरादून मौसम केंद्र के निदेशक सीएस तोमर ने भी मौसम को लेकर जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा है कि मैदानी इलाकों में वर्तमान में तापमान सामान्य से ऊपर है और यही स्थिति पहाड़ी इलाकों में भी बनी हुई है। उम्मीद है कि आज तापमान में एक से दो डिग्री की मामूली गिरावट आ सकती है। आज कुछ पहाड़ी इलाकों में बहुत हल्की बारिश हो सकती है।उन्होंने कहा कि ह्य28 अप्रैल से उत्तर के पांच जिलों उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है। मौसम का यह मिजाज 29 और 30 अप्रैल को भी जारी रहने की संभावना है। मौसम का यह मिजाज लगभग हर जिलों में देखने को मिल सकता है। इस दौरान हम उम्मीद कर रहे हैं कि हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से तेज हवाएं : देहरादून मौसम केंद्र के निदेशक के मुताबिक, प्रदेश के सभी जिलों में 1, 2 और 3 मई को हम हल्की से मध्यम स्तर की बारिश की उम्मीद कर रहे हैं।

भारत-रूस की नई सैन्य डील से दहशत में दुनिया!

● पुतिन और मोदी ने चीन-अमेरिका को दिए पांच बड़े संदेश

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के लीगल इन्फॉर्मेशन पोर्टल ने हाल ही में भारत के साथ पिछले साल हुए लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के आपसी आदान-प्रदान यानि रीलोज सैन्य लॉजिस्टिक्स समझौते की जानकारी दी है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के देश में 3000 सैनिक, 10 लड़ाकू विमान और पांच युद्धपोतों की तैनाती कर सकेंगे। भारत और रूस के बीच किए गये इस सैन्य समझौते की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। रूसी समाचार एजेंसी से बात करते हुए भारत के पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त) ने लिखा है कि इस समझौते से भारत और रूस ने दुनिया को पांच अहम संदेश दिए हैं।

रीलोज समझौता क्या है- इस समझौते के तहत भारत और रूस की थल सेना, नौसेना और वायु सेना एक-दूसरे के सैन्य अड्डों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का उपयोग कर सकेंगी। इस समझौते के तहत दोनों देश ईंधन, राशन, और रखरखाव जैसी सुविधाओं के लिए एक-दूसरे के नेटवर्क का इस्तेमाल कर पाएंगे।

बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी- इसके अलावा इस समझौते के तहत भारत को रूस के आर्कटिक (जैसे मरमंस्क) और सुदूर पूर्व (जैसे व्लादिवोस्तोक) के बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी। भारत-रूस बने हुए हैं रणनीतिक साझेदार- पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने आरटी को बताया है कि पेपे एस्कोबार ने मार्च में झूठा दावा किया था कि भारत ने रूस के साथ विश्वासघात किया है लेकिन रीलोज समझौते के बाद यह बात सच्चाई से कोसों दूर साबित होती है। इस समझौते के जरिए हिंद महासागर क्षेत्र में रूस की शीत युद्ध के दौर वाली स्थायी सैन्य मौजूदगी फिर से बहाल हो गई है। इसी तरह भारत और रूस की चीन पर निर्भरता कम होगी।

अमेरिका से तनाव के बीच मास्को पहुंचे अराघची

● राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे ईरानी विदेश मंत्री ● अब बनाएंगे नया प्लान, पाकिस्तान को भेजा संदेश

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका से तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची सोमवार को रूस पहुंचे। उनका रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की संभावना है। उनका दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका के साथ युद्धविराम टूटने की आशंका है। ईरान ने पाकिस्तान में अमेरिकी अधिकारियों से मिलने से मना कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्रालय ने टेलीग्राम पर बताया कि अब्बास अराघची सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे हैं जहां उनके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की उम्मीद है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब अराघची ने इस्लामाबाद की यात्राओं के बीच ओमान का भी दौरा किया। मध्यस्थ तेहरान और वॉशिंगटन के बीच शांति वार्ता को जीवित रखने की कोशिशों में जुटे हैं। शनिवार को ईरान के आमने-

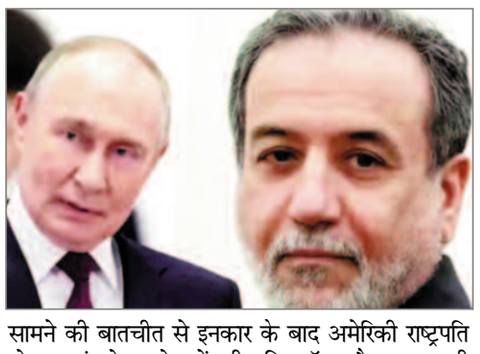

सामने की बातचीत से इनकार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों स्टीव विटकॉफ और कुशनर की इस्लामाबाद की प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी थी।

रूसी राष्ट्रपति से मिलेंगे ईरान के विदेश मंत्री- रूस वैश्विक शक्ति संबंधों के मामले में ईरान के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक है। ईरान इस बहुत ही पेचीदा स्थिति में रूस के प्रभाव का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। अराघची ने पहले कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत हुई थी। इस बीच फार्स ने ये भी बताया है कि पाकिस्तान को जो संदेश दिए गये हैं वो औपचारिक बातचीत का हिस्सा नहीं थे। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने रविवार को रिपोर्ट दी कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव भेजा है जिसमें परमाणु बातचीत को बाद के चरण के लिए टाल दिया गया है। इस रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी और इस मामले की जानकारी रखने वाले दो अन्य सूत्रों का हवाला दिया गया था।

ट्रंप ने कहा- ईरान बातचीत के लिए कर सकता है फोन

इस बीच रविवार को डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा कि अगर ईरान बातचीत करना चाहता है तो वे हमारे पास आ सकते हैं या हमें फोन कर सकते हैं। वहीं जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या यात्रा रद्द करने का मतलब यह है कि फिर से लड़ाई शुरू हो सकती है तो उन्होंने कहा नहीं, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है। शनिवार को, अराघची ने ओमान जाने और फिर इस्लामाबाद लौटने से पहले उन्होंने पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असिम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात की थी।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा हेतु एलपीजी आपूर्ति 100 प्रतिशत बनाए रखने का किया अनुरोध

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से की मुलाकात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में भेंटकर उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियों एवं आपदाजन्य संवेदनशीलता के दृष्टिगत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा के निर्बाध, सुरक्षित एवं सुचारू संचालन हेतु व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को पूर्ववत् 100 प्रतिशत बनाए रखने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य में अप्रैल से नवम्बर तक संचालित होने वाली चारधाम यात्रा के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होता है, जिससे व्यावसायिक एलपीजी की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इस अवधि में राज्य को लगभग 9,67,949 व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जून से सितम्बर के मध्य मानसून अवधि में राज्य को प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। पर्वतीय भू-भाग एवं दुर्गम परिस्थितियों के कारण आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में एलपीजी गैस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने व्यावसायिक सिलेंडरों का अतिरिक्त 5 प्रतिशत (लगभग 48,397 सिलेंडर) आवंटन सुनिश्चित किए जाने का अनुरोध किया, ताकि राहत एवं बचाव कार्यों का प्रभावी एवं त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था मुख्यतः पर्यटन आधारित है, जिसमें धार्मिक पर्यटन, तीर्थाटन एवं साहसिक पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है।

दुर्घटनाएं रोकने के लिए दिए सुझाव

देहरादून। देहरादून दिल्ली एक्सप्रेस वे पर वाहनों की दुर्घटनाएं नही हो। इसके लिए उप परिवहन आयुक्त शैलेश तिवारी ने सोमवार को संबंधित अधिकारियों के साथ आशारोड़ी और मोहब्बेवाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। एक्सप्रेस का काम पूरा होने के बाद 14 अप्रैल से इस मार्ग पर सामान्य यातायात शुरू किया गया था। इसके बाद आशारोड़ी चैकपोस्ट और मोहब्बेवाला के समीप कुछ भार वाहनों की दुर्घटनाएं घटित हुई हैं। हालांकि इनमें कोई जनहानि नही हुई। लेकिन भविष्य कोई दुर्घटना नही हो। इसके लिए अधिकारियों ने निरीक्षण के बाद सुझाव दिया है कि पुलिस विभाग के बैरियर से आशारोड़ी संयुक्त चैकपोस्ट मार्ग भाग में स्पीड लिमिट बोर्ड आईआरसी के मानकों के अनुरूप मार्ग के दोनों ओर लगाए जाने चाहिए। मोहब्बेवाला चन्द्रबनी खालसा की ओर जाने वाले मार्ग के किनारे एक ओर विद्युत विभाग का जंक्शन बॉक्स स्थापित है। जबकि दूसरे किनारे पर प्राथमिक विद्यालय है। इस गली में इन्डस्ट्रियल एरिया होने के कारण यातायात का आवागमन होता रहता है,

सांसद हेमा मालिनी ने की सीएम धामी से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों के अम्ब्रेला ब्रांड हाउस ऑफ़ हिमालयाज़ के उत्पाद भेंट किए।

संक्षिप्त समाचार

एक मई को निकलेगी श्रमिकों की रैली

देहरादून। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस(एटक) की ओर से एक मई को श्रमिक दिवस पर गांधी पार्क से रैली निकाली जाएगी। रविवार को उत्तरांचल बिजली कर्मचारी संघ के प्रांतीय कार्यालय ईसी रोड में आयोजित जिला कार्यकारिणी की बैठक में ये निर्णय लिया गया।बैठक की अध्यक्षता कामरेड आरपी बडोनी ने की। जबकि संचालन जिला मंत्री अनिल उनियाल ने किया। बैठक में तय किया गया कि एक मई को शाम 4:30 बजे गांधी पार्क में विभिन्न संगठनों के श्रमिक एकत्रित होंगे। इसके बाद रैली के रूप में जिला मुख्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा।प्रांतीय महामंत्री अशोक शर्मा ने केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि श्रमिक अधिकारों पर लगातार हमला किया जा रहा है। होटल वर्कर्स यूनियन के धर्मानन्द भट्ट ने न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने तथा सभी होटल श्रमिकों को ईपीएफ और ईएस-ाआई के दायरे में लाने की मांग उठाई।जल निगम लाल झंडा मजदूर यूनियन के लक्ष्मी नारायण भट्ट ने जल निगम कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की मांग रखी। वहीं क्षेत्रीय सचिव डीपी जोशी ने विद्युत संशोधन अधिनियम 2025 का विरोध करते हुए इसे तत्काल रद्द करने की मांग की।जिला चाय बागान मजदूर सभा की चित्रा गुप्ता ने हरबंसवाला और आर्केडिया टी-स्टेट में महिला श्रमिकों के शोषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने चाय बागानों में वर्षों से रह रहे श्रमिकों को मालिकाना हक दिए जाने की मांग भी की। बैठक में रुके हुए महंगाई भत्ते के आदेश जल्द जारी करने की मांग भी उठाई गई।इस अवसर पर अशोक शर्मा, अनिल उनियाल, डीपी जोशी, सुनील मधवाल, लक्ष्मी नारायण भट्ट, धर्मानन्द भट्ट, नरेन्द्र सिंह नेगी, रविन्द्र नेगी, एसपी भट्ट, योगेश पाण्डे, प्रदीप कश्यप और चित्रा गुप्ता सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

खौफ से पढ़ाई छोड़ने वाले एंजेल के भाई को वापस दून लाएगी पुलिस

देहरादून। सेलाकुई में हुए चर्चित एंजेल चकमा हत्याकांड के बाद खौफ में आकर छोटे भाई के पढ़ाई छोड़कर त्रिपुरा लौटने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने आश्वस्त किया है कि दून पुलिस पीड़ित परिवार से संपर्क साधेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि देहरादून हमेशा से शिक्षा नगरी रहा है और यहां के माहौल को किसी भी सूरत में खराब नहीं होने दिया जाएगा। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने कहा कि एंजेल की हत्या के बाद उसके छोटे भाई माइक चकमा के खौफ में आकर यहां से पढ़ाई छोड़कर जाने का मामला सोमवार को उनके संज्ञान में आया। उन्होंने कहा कि पुलिस निश्चित तौर पर इस पर कार्रवाई करेगी और छात्र के परिजनों से बातचीत की जाएगी। एसएसपी ने भरोसा दिलाया कि पुलिस पीड़ित परिवार के मन से असुरक्षा का भाव निकालेगी ताकि छात्र बिना किसी डर के वापस देहरादून आकर अपनी शिक्षा पूरी कर सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि दून में शिक्षा के लिए एक बेहतर और सुरक्षित माहौल रहा है, जिसे अपराधियों के खौफ से खराब नहीं होने दिया जाएगा। सेलाकुई थाना क्षेत्र में त्रिपुरा निवासी छात्र एंजेल चकमा पर बीते दिसंबर महीने में चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात के वक्त उसका छोटा भाई भी चश्मदीद था। बड़े भाई की आंखों के सामने हुई हत्या से वह इस कदर सहम गया कि उसने देहरादून में आगे की पढ़ाई करने से इनकार कर दिया और अपना करियर बीच में ही छोड़कर वापस घर लौट गया है।

उच्च हिमालय क्षेत्रों में बर्फ पिघलने से धौली नदी का जलस्तर बढ़ा

चमोली। गर्मी बढ़ने से उच्च हिमालय क्षेत्रों में तेजी से ग्लेशियर पिघल रहे हैं जिससे धौली नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। तमक गांव के पास मलबा जमा होने से नदी में झील जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। हालांकि पानी का लगातार रिसाव हो रहा है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि मलबा जमा होने से यहां कुछ पानी रुक रहा है। मंगलवार से मलबे को हटाने का काम शुरू किया जाएगा ताकि पानी का निरंतर बहाव होता रहे। डीएम ने कहा कि इससे खतरे जैसी कोई बात नहीं है। ज्योतिर्मठ से करीब 40 किलोमीटर आगे तमक गांव के पास बीते वर्ष भूस्खलन होने से मलबा जमा हो गया था। इन दिनों हिमालय क्षेत्रों में ग्लेशियर पिघलने से नदी का जलस्तर बढ़ गया है। मलबा जमा होने के कारण यहां पानी इकट्ठा हो रहा है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि यहां से पानी का लगातार रिसाव हो रहा है। मंगलवार को जेसीबी से मलबे को हटाने का काम भी शुरू किया जाएगा। प्रशासन, सिंचाई विभाग, खनन विभाग एवं अन्य संबंधित एजेंसियां मौके पर सतत निगरानी बनाए हुए हैं ।

साइकिल से भारत यात्रा पर निकली नेपाल की यमुना पहुंची बदरीनाथ धाम

चमोली। नेपाल की यमुना ढकाल साइकिल से दुनिया की यात्रा पर निकली हैं। वह फिलहाल भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा कर रही हैं और इन दिनों साइकिल से बदरीनाथ धाम पहुंची हैं। नेपाल के झाबुला जिले की रहने वाली यमुना ढकाल (35) ने अपनी साइकिल यात्रा गौतम बुद्ध के जन्म स्थली लुंबिनी से शुरू की। गोरखपुर के रास्ते वह भारत आईं। वह अयोध्या, दिल्ली, पंजाब सहित विभिन्न क्षेत्रों में गईं और अब उत्तराखंड में साइकिल से यात्रा कर रही है। यमुना ने बताया कि वह विश्व शांति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए साइकिल से यात्रा कर रही हैं।

ताला–बरंगाली मार्ग का पुल भारी वाहनों के लिए बंद

रुद्रप्रयाग। विकासखंड ऊखीमठ के ताला–बरंगाली मार्ग पर लगातार हो रहे भू–धंसाव के कारण मार्ग का स्टील गार्डर पुल भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। पुल के दाहिने हिस्से की ओर जमीन धंसने से खतरा बढ़ गया है। इसलिये यहां अभी सिर्फ छोटे वाहनों की आवाजाही ही होगी।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार ताला–बरंगाली मार्ग के किलोमीटर एक पर भू–धंसाव लगातार जारी है। इससे पूर्व निर्मित स्टील गार्डर पुल की स्थिरता प्रभावित हुई है। सुरक्षा को देखते हुए अगले कुछ दिनों तक भारी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इस संबंध में उपजिलाधिकारी ऊखीमठ को भी सूचना भेज दी गई है। विभाग वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर यहां बैली ब्रिज लगाने पर विचार कर रहा है। वहीं पीडब्ल्यूडी ऊखीमठ के अधिशासी अभियंता राकेश प्रकाश नैथानी ने बताया कि फिलहाल पुल को भारी वाहनों के लिए बंद किया गया है। मरम्मत और सुरक्षा कार्य पूरा होने के बाद दोबारा आवाजाही शुरू की जाएगी। संवाद यहां बैली ब्रिज बनाने का विचार है जिस पर बात चल रही है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सीएफएल द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता शिविर का किया दौरा

देहरादून। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने देहरादून जिले के भोपालपानी, बडासी और सोडा सरौली ग्राम पंचायतों के स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के लिए त्रिसिल फाउंडेशन के सहसपुर स्थित वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता शिविर का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने वित्तीय साक्षरता के महत्व पर ज़ोर देते हुए नागरिकों को सशक्त बनाने की बात कही। उन्होंने वित्तीय जागरूकता, समृद्धि और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने, भारत सरकार की विभिन्न पेंशन तथा बीमा संबंधित सामाजिक योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सीएफएल अधिकारियों से समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में रहने वालों को शिक्षित करने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया, ताकि वित्तीय समावेशन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने प्रतिभागियों से ऐसे शिविरों के दौरान प्राप्त वित्तीय जागरूकता को अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों और पड़ोसियों के साथ साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों से भी बातचीत की। शिविर में बिजनेस कोरेस्पोंडेंटों (बीसी) द्वारा बुनियादी बैंकिंग सुविधाओं सहित कई सेवाएं उपलब्ध कराई गई। शिविर स्थल पर सिक्के और नोट बदलने के लिए काउंटर भी स्थापित किए गए थे। इस मौके पर एक मोबाइल एटीएम वैन उपलब्ध थी तथा कुछ स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन भी किया, जिसमें गवर्नर ने काफी रुचि दिखाई और सराहना की। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, देहरादून अरविंद कुमार सहित भारतीय रिज़र्व बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ अधिकारी तथा ब्लॉक विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

वनाग्नि रोकथाम को लेकर प्रशासन सतर्क, जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

अल्मोड़ा। जनपद में बढ़ती गर्मी के बीच वनाग्नि की आशंका को देखते हुए सोमवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें रोकथाम और प्रभावी प्रबंधन की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि तापमान में लगातार वृद्धि के कारण वनाग्नि की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में सभी संबंधित विभागों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। उन्होंने उपजिलाधिकारियों, पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि वनाग्नि की घटनाओं में संलिप्त तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए और प्रवर्तन को और प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि तीन दिनों के भीतर सभी ग्राम पंचायतों में वनाग्नि रोकथाम को लेकर बैठकें आयोजित की जाएं।

ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा–करकट और फसलों के अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने तथा इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि वनाग्नि की सूचना मिलते ही न्यूनतम समय में त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए।

नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत की जांच तेज

नई टिहरी। सांकरी गांव की एक नवविवाहिता महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की पुलिस ने जांच पड़ताल तेज कर दी है। एसएसपी श्वेता चौबे ने पुलिस उपाधीक्षक चंद्रमोहन सिंह को जांच अधिकारी नामित किया है। सीओ सिंह ने सोमवार को सांकरी गांव पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया। परिजनों के बयान भी दर्ज किए। पुलिस को इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का भी इंतजार है। सांकरी गांव निवासी गौरव राणा की पत्नी पूनम (22) की 25 अप्रैल को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बनौली गांव निवासी मृतका के पिता शिव सिंह बिष्ट ने बेटी की हत्या की आशंका जताते हुए उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की थी। दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मृतका के पति, ससुर, सास और छोटी सास के खिलाफ बीते दिन मुकदमा दर्ज कर लिया था। थानाध्यक्ष अजय कुमार जाटव ने बताया कि महिला की मौत की हर दृष्टि से जांच की जा रही है।

खंड शिक्षा अधिकारियों से अभद्रता पर कर्मचारियों में आक्रोश

रुद्रपुर। खटीमा एवं सितारगंज के खण्ड शिक्षा अधिकारियों के साथ हुई अभद्रता की घटना को लेकर शिक्षा विभाग में आक्रोश व्याप्त है। विरोध स्वरूप एजुकेशनल मिनिस्ट्रीयल ऑफिसर्स एसोसिएशन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि खण्ड शिक्षा अधिकारियों के साथ की गई अभद्रता न केवल एक अधिकारी का अपमान है, बल्कि पूरे शिक्षा विभाग और प्रशासनिक व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है। ऐसी घटनाएं विभागीय कार्यों में बाधा उत्पन्न करती हैं और कर्मचारियों के मनोबल को भी प्रभावित करती हैं।

दुकान आवंटन के बाद स्टोर सुविधा से वंचित बांध प्रभावित

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में फरियादियों ने पुनर्वास न होने, पेयजल किल्लत और भवन पर कब्जा होने की समस्याएं प्रमुखता से उठाई। बौराड़ी बस स्टैंड निवासी जगदंबा प्रसाद पांडेय ने शिकायत दर्ज की वह टिहरी बांध प्रभावित है। वर्ष 2011 में दुकान आवंटित तो कर दी गई है लेकिन स्टोर अब तक आवंटित नहीं हुआ है। डीएम ने मामले में प्रभारी अधिकारी पुनर्वास को जांच कर एक सप्ताह में आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। केमसारी टिनशेड निवासी छटांगी देवी ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके आवंटित टिनशेड पर किसी अन्य व्यक्ति ने कब्जा कर रखा है। वहीं बौराड़ी 9 डी निवासी राय सिंह नेगी ने शिकायत की कि उनके पड़ोसी ने चौथी मंजिल की सीढ़ियां उनके दरवाजे के सामने बना दी गई हैं। डीएम ने एसडीएम कमलेश मेहता को स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने को कहा। चंबा आराकोट के ग्रामीणों ने पानी की किल्लत होने की शिकायत दर्ज की।डीएम ने जौनपुर ब्लॉक के चिफल्टी गदेरे पर ट्राली लगाने के लिए सिंचाई विभाग और लोनिवि के अधिकारियों को निर्देश दिए। मानसून से पहले गदेरे में ट्राली लगाने का कार्य पूरा होना चाहिए। बैठक में सीडीओ वरुणा अग्रवाल, एडीएम शैलेंद्र नेगी, डीडीओ मो. असलम, एआरटीओ सतेंद्र राज, ईई ऊर्जा निगम अमित आनंद, जल निगम के ईई केएन सेमवाल आदि मौजूद रहे।

आरएवी मामले में कांग्रेसियों व शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

देहरादून। रक्षा अनुसंधान विद्यालय के निजीकरण के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अभिभावकों ने हाथों और सिर पर काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार को कांग्रेस नेता विनीत प्रसाद भट्ट बंटू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुंदरवाला विज्ञान विहार स्थित रक्षा अनुसंधान विद्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया। विनीत प्रसाद भट्ट ने कहा कि रायपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता की मांग है कि डीआरडीओ द्वारा संचालित रक्षा अनुसंधान विद्यालय को डीएवी पब्लिक स्कूल को हस्तांतरण के लिए किया गया एमओयू तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। कहा कि यह विद्यालय वर्षों से क्षेत्र के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार रहा है और कम फीस पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध करा रहा है।

गरुड़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना

बागेश्वर। विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना लगातार जारी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता वेतन वृद्धि, टेक होम राशन की नियमित आपूर्ति, बढ़ते डिजिटल वर्कलोड में कमी तथा रिटायरमेंट राशि बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन अब तक शासन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आन्दोलित कार्यकर्ताओं ने बताया कि फरवरी माह का मानदेय अभी तक पूर्ण रूप से नहीं मिला है, जिससे उनके केंद्रों के संचालन पर भी असर पड़ रहा है और घर की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार पर समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि टेक होम राशन समय पर और पूर्ण मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रहा है। कई बार एक्सपायरी सामग्री देने की शिकायतें भी सामने आई हैं। उन्होंने ऐसे मामलों में जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। केंद्रों के गैस सिलेंडर उनके निजी नाम से दर्ज होने के कारण घरेलू और केंद्र के उपयोग में परेशानी हो रही है। साथ ही सिलेंडरों की किल्लत भी बनी हुई है।आधार कार्ड को केंद्र के गैस कनेक्शन से अलग करने की मांग की। धरने में शामिल सुनीता गोस्वामी, आनंदी बड़सीला और पार्वती देवी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अधिकार मांग रही हैं, लेकिन उन्हें कार्रवाई की चेतावनी वाले पत्र भेजे जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी भी प्रकार की धमकी से डरने वाली नहीं हैं और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राशन की आपूर्ति कई बार अनियमित रहती है और देर शाम तक सड़क किनारे छोड़ दिया जाता है, जिससे परेशानी बढ़ती है।

बागेश्वर में मेधा का महोत्सवः बेटियों ने रचा कीर्तिमान, जिलाधिकारी ने किया टॉपर्स का अभिनंदन

बागेश्वर। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान में जिला सभागार में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया, जहां जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने प्रतिभाओं का अभिनंदन करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर ने न केवल विद्यार्थियों की उपलब्धियों को रेखांकित किया, बल्कि पूरे जनपद के लिए गौरव का क्षण भी सृजित किया, विशेषकर तब जब बेटियों ने अपने अद्वितीय प्रदर्शन से जिले का मान बढ़ाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सफलता का मूल मंत्र कठोर परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण में निहित है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रहने और उच्चतम लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका को निर्णायक बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं होती। उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ–साथ समाचार पत्रों के अध्ययन और समसामयिक घटनाओं की जानकारी रखने की भी सलाह दी, जिससे उनका बौद्धिक विस्तार हो सके। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए सफलता के पीछे की रणनीतियों और संघर्षों का उल्लेख किया तथा अपने भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उनकी बातें न केवल प्रेरणादायक रहीं, बल्कि अन्य छात्रों के लिए मार्गदर्शक भी सिद्ध हुईं। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी की अभिनव पहल के अंतर्गत 11 फरवरी को जनपद के 101 शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में व्यापक स्तर पर परीक्षा जागरूकता एवं प्रेरणा अभियान संचालित किया गया था। इस अभियान के तहत 101 अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें परीक्षा की तैयारी के लिए प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसका सकारात्मक परिणाम इस वर्ष के शानदार परीक्षा परिणामों के रूप में सामने आया। यदि परिणामों पर दृष्टि डाली जाए तो इंटरमीडिएट वर्ग में गीतिका पन्त ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित किया, जबकि खुशी काण्डपाल ने 96.40 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। दीक्षा काण्डपाल और रोहित सिंह मेहता ने 94.60 प्रतिशत अंक हासिल कर संयुक्त रूप से 14वां स्थान पाया। वहीं विवेक सिंह देव 94 प्रतिशत के साथ 17वें, स्नेहा आर्या 92.80 प्रतिशत के साथ 23वें तथा अनीशा सिंह और आशीष लोहनी 92.60 प्रतिशत के साथ 24वें स्थान पर रहे। हाईस्कूल परीक्षा में भी विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, जहां योगेश जोशी ने 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में तृतीय स्थान हासिल किया।

एक नजर

निबंध प्रतियोगिता में आयुश्री त्रिपाठी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में इतिहास विभाग की ओर से बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान निबंध में आयुश्री त्रिपाठी ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। विभाग प्रभारी डा. प्रवीन जोशी ने बताया कि निंबध प्रतियोगिता में आयुश्री त्रिपाठी प्रथम, दीक्षा घिल्डियाल द्वितीय आंचल रावत तृतीय रही। भाषण प्रतियोगिता में श्रेया नेगी प्रथम, आंचल रावत द्वितीय व दीक्षा घिल्डियाल तृतीय रही। प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने पुरस्कृत किया।

18 ग्राम सभाओं में एलपीजी सिलिंडरों की किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यालय से सटे विकासखंड कल्जीखाल के अगरोड़ा क्षेत्र की 18 ग्राम सभाओं में रसोई गैस का संकट गहराता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते दो-तीन महीनों से क्षेत्र में सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं हुई जिससे ग्रामीणों ने रोष बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पूर्व में सिलिंडर का वाहन अगरोड़ा पुल तक ही आया और उपभोक्ताओं की जरूरत के अनुसार सिलिंडरों का वितरण नहीं किया गया। इस कारण क्षेत्र के कई गांवों में रसोई गैस की किल्लत गहराती जा रही है। ब्लॉक के कनिष्ठ प्रमुख दीपक असवाल ने बताया कि अगरोड़ा बाजार, कठुड़, ढांग, कोलड़ी समेत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में बीते दो से तीन महीनों बाद भी गैस सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं हुई। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि होने के नाते ग्रामीण आए दिन उनसे सिलिंडरों की आपूर्ति की मांग कर रहे हैं। कनिष्ठ प्रमुख दीपक ने बताया कि डीएम से वार्ता की गई थी जिस पर उन्होंने जल्द सिलिंडरों की आपूर्ति का आश्वासन दिया। वहीं, डीएसओ अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि बीते 23 व 24 अप्रैल को ही क्षेत्र में सिलिंडर वितरित किए गए थे फिर से वाहन भेजकर सिलिंडरों की आपूर्ति की जाएगी।

बंदरों के आतंक से श्रद्धालु परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा की शुरुआत के साथ ही कलियासौड़ स्थित मां धारी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। सुबह से ही दर्शन के लिए यात्री पहुंच रहे हैं, लेकिन यहां बंदरों के उत्पात से श्रद्धालु परेशान हैं। मंदिर परिसर में बंदर श्रद्धालुओं के हाथ से प्रसाद और सामान छीन रहे हैं। मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पांडे ने बताया कि बंदरों की तादाद इतनी अधिक हो गई है कि वे लोगों पर हमला भी करने लगे हैं। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष व्यक्ति की तैनाती भी की है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की। (एजेंसी)

श्रीनगर में बायो गैस प्लांट हुआ शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : भक्तियाना स्थित आंचल डेयरी परिसर में तीन करोड़ की लागत से बना बायो गोबर गैस प्लांट शुरू हो गया है। इसके सभी तकनीकी ट्रायल सफल रहे हैं। आंचल डेयरी के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि विधिवत रूप से कार्य शुरू कर दिया गया है। अब उच्चाधिकारियों और शासन से समय और आदेश मिलते ही इसका औपचारिक उद्घाटन कर दिया जाएगा। इस प्लांट में रोजाना 3 टन गोबर से करीब 500 किलोग्राम बायो गैस तैयार होगी। इसके लिए किसानों और गोशालाओं से 2 रुपये प्रतिकिलो की दर से गोबर खरीदा जाएगा जिससे उनकी आय भी होगी। तैयार बायो गैस का उपयोग डेयरी में बिजली उत्पादन के लिए होगा जिससे डीजल की बचत होगी।

जनगणना ड्यूटी पर भड़का शिक्षक संघ

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय शिक्षक संघ ने जनगणना ड्यूटी को लेकर शिक्षकों पर डाले जा रहे अतिरिक्त कार्यभार का कड़ा विरोध जताया है।

संघ का कहना है कि शिक्षकों से विद्यालय में नियमित शिक्षण कार्य के बाद जनगणना कार्य कराना अव्यवहारिक और अमानवीय है। राजकीय शिक्षक संघ के टिहरी जिला अध्यक्ष दिलवर सिंह रावत और जिला मंत्री डॉ. बुद्धि प्रसाद भट्ट ने संयुक्त रूप से जारी बयान में कहा कि प्रदेश में एक ओर मौसम विभाग की ओर से हीट वेव और प्रतिकूल मौसम की चेतावनी दी जा रही है वहीं दूसरी ओर शिक्षकों को दोपहर बाद 2-3 बजे के बीच जनगणना भवन सूचीकरण कार्य के लिए निर्देशित किया जा रहा है।

सड़क पी रहा पानी, लोगों के सूख रहे कंठ

जगह-जगह लीकेज पेयजल लाइनों से बर्बाद हो रहा पानी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही शहर में पेयजल किल्लत होने लगी है। हालत यह है कि प्रतिदिन लीकेज पेयजल लाइनों से सैकड़ों लीटर पानी सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है। घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने के कारण लोगों के कंठ सूख रहे हैं।

यदि समय पर इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया तो गर्मी में चुनौती और अधिक बढ़ सकती है। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में सत्तर के दशक में पेयजल लाइन बिछाई गई थी। उस समय कोटद्वार व भाबर क्षेत्र की जनसंख्या करीब 30 से 35 हजार थी। लेकिन, वर्तमान में यह संख्या डेढ़ लाख के पार पहुंच गई है। जनसंख्या व भवनों की संख्या बढ़ने से शहर में कनेक्शनों की संख्या तो बढ़ी। लेकिन, पेयजल लाइनें पुरानी ही चल रही हैं। नतीजा, दशकों पुरानी पेयजल लाइन शहरवासियों के लिए चुनौती बन रही है। जगह-जगह लीकेज पेयजल लाइनों से कई लीटर पानी सड़क पर बहता रहता है। सबसे बुरी स्थिति बाजार क्षेत्र में बनी हुई है। सड़क पर बह रहे पानी के कारण यातायात व्यवस्था व पैदल चलने में भी परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही स्थिति विकराल होगी। लीकेज पेयजल लाइनों के कारण घरों में पर्याप्त पानी तक नहीं पहुंच पाता, जिसके कारण वार्डवासियों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। पुरानी पेयजल लाइन को हटाकर नई लाइन बिछाने के लिए कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक हालत जस के तस बने हुए हैं। जबकि, पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भी अधिकारियों को लीकेज लाइनों को बदलने का निर्देश दिए थे।

लीकेज से पहुंच रहा दूषित पानी

शहर में कई स्थानों पर पेयजल लाइन गंदे नाले से होकर गुजर रही है। ऐसे में लीकेज पेयजल लाइन से होते हुए गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है। काशीरामपुर तल्ला, काशीरामपुर मल्ला, देवी रोड सहित भाबर क्षेत्र के अन्य वार्डों में यह समस्या है। गंदे पानी की आपूर्ति से लोगों को संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना रहता है।

गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग, चलाया हस्ताक्षर अभियान

श्रीनगर गढ़वाल : गो माता को राष्ट्रमाता का गौरवपूर्ण दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ गोसेवा संवर्धन समिति श्रीनगर ने तहसील परिसर में गोसम्मान आह्वान अभियान का आयोजन किया। इस अभियान के माध्यम से क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारियों और भक्तों ने गोमाता के सम्मान में अपनी आवाज बुलंद की। अभियान के दौरान व्यापारी बंधुओं, पुलिस प्रशासन और जागरूक नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

लोगों ने हस्ताक्षर कर अपना लिखित समर्थन दिया। जन-समर्थन से तैयार इस हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन को श्रीनगर तहसील प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजा गया। साथ ही इसकी प्रतियां जिलाधिकारी पौड़ी और एसडीएम व तहसीलदार को भी सौंपी गईं। समिति के सदस्यों ने संकल्प लिया कि जब तक गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा प्राप्त नहीं हो जाता तब तक यह जनजागरण अभियान निष्ठापूर्वक और पूर्ण समर्पण के साथ जारी रहेगा।

लिंक भेजकर लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत एक मोहल्ले में महिला के मोबाइल पर लिंक भेजकर ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान पुलिस ने आमजन से साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। मामले में बीते वर्ष छह नवंबर को कोटद्वार निवासी अंजली बुड़ाकोटी की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि उनके पास एक अज्ञात नंबर से काल आया। काल करने वाले ने कम निवेश में अधिक पैसे दिलाने का लालच दिया और एक लिंक भेजा। लिंक पर भरोसा कर पीड़िता ने अलग-अलग खातों में कुल एक लाख चौबीस हजार रुपये ट्रांसफर किए। बताया कि जब उन्होंने व्यक्ति से संपर्क किया तो उसने अपना फोन नंबर बंद कर दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले में उत्तर प्रदेश में लखनऊ में थाना ठाकुरगंज के अंतर्गत कश्मीरी बाग-मलपुर निवासी संजू पटेल को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है।

युवती की मौत मामले में डंपर चालक हुआ दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सड़क हादसे में युवती की मौत के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी शहजाद ए वाहिद की अदालत ने आरोपी डंपर चालक को दोषमुक्त कर दिया है। अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ लापरवाही सिद्ध करने में असफल रहा। जून 2024 की घटना है। बता दें कि मामले में मृतका पार्वती के भाई आशीष रावत निवासी ग्राम गाड का महरगांव ने 28 जून 2024 को कोतवाली पौड़ी में डंपर चालक आशीष कठैत पर लापरवाही से व तेज वाहन चलाने का आरोप लगाया था। बताया था कि 28 जून को उनकी बहन पार्वती अपने परिचित विकास कुमार के साथ बाइक पर बैठकर कंप्यूटर सीखने पौड़ी आ रही थी। इसी बीच पौड़ी के अपर चोपड़ा मोहल्ले के प्रार्थना भवन के पास सुबह करीब 9.15 बजे सामने से आ रहे डंपर ने कथित रूप से टक्कर मार दी। हादसे में पार्वती की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया व 18 दिसंबर 2024 को मामला अदालत पहुंचा। सुनवाई के दौरान प्रत्यक्षदर्शी बाइक चालक विकास कुमार ने अदालत में बताया कि सड़क पर मोड़ और चढ़ाई थी, डंपर धीरे-धीरे अपनी साइड से आ रहा था। मोड़ पर ट्रक देखकर उसने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे बाइक फिसल गई और पार्वती डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गई। जांच अधिकारी ने भी डंपर को सही दिशा में चलाया जाना पाया था।

गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग, निकाली रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर गोसेवकों ने शहर में रैली निकाली। कहा कि गोवंश को सड़क पर छोड़ने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस संबंध में लोगों ने गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत गोपाल गोधाम सेवा संस्थान के बैनर तले रैली निकाली गई। इसके उपरांत उन्होंने प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। गो सेवकों ने गोवंश की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की मांग उठाई। कहा गया कि वर्तमान में देश के कई राज्यों में गोवध पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध है। लेकिन, कुछ राज्यों में अभी भी गोवंश की हत्याएं की जा रही है। कहा कि उन राज्यों के वधशालाओं के लाइसेंस रद्द होने चाहिए। साथ ही वधशालाओं पर कार्यवाही करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जाए। इसके अलावा देशी गोवंश को राष्ट्रमाता या राष्ट्र आराध्या घोषित कर संवैधानिक मान्यता प्रदान की जाए। ज्ञापन में गो तस्करी व गोवध को संज्ञेय व गैर जमानती अपराध की श्रेणी में रखने, अपराधियों को

गाय को राष्ट्रमाता को दर्जा देने की मांग को लेकर कोटद्वार में रैली निकालते गोभक्त

आजीवन कारावास की सजा व संपत्ति कुर्क करने, पंचगव्य अनुसंधान को बढ़ावा देते हुए इन्हें प्राकृतिक कृषि उत्पाद हेतु जैविक खाद, कीटनाशक व औषधि के रूप में सरकारी तंत्र से जोड़ने, प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर नंदीशाला व जिला स्तर पर एक आदर्श गो अभ्यारण या वृहद गोशाला की स्थापना करने की मांग की गई। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों व राज्य मार्गों पर गो वाहिनी एंबुलेंस सेवा की सुविधा देने, सरकारी स्कूलों में गो विज्ञान को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने और देश में एक सुदृढ चारा सुरक्षा कानून बनाने की भी मांग की गई है। रैली में गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राजेंद्र जखमोला, महावीर सिंह रावत, गोपाल बंसल, जसपाल सिंह रावत, अनुसुया मुंडेपी, आरती बिष्ट, सर्वेश्वरी किमोठी सहित तमाम जन मौजूद रहे।

दो दिवसीय 'आर्ट एवं ड्रामा' कार्यशाला का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ. पितांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के बीएड विभाग में दो दिवसीय 'आर्ट एवं ड्रामा' कार्यशाला का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रोफेसर डी.एस. नेगी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में प्राचार्य प्रो. नेगी ने भावी शिक्षकों के व्यावसायिक गुणों के संवर्धन में इस प्रकार की कार्यशालाओं को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि कला और नाट्य गतिविधियाँ शिक्षण को प्रभावी, जीवंत और विद्यार्थियों के लिए अधिक आकर्षक बनाती हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बी.सी. शाह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संदर्भदाताओं–प्रसिद्ध रंगकर्मी श्री अनुसूया प्रसाद डंगवाल (कोटद्वार) एवं श्री वीर सिंह मणी–का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रोफेसर बहुगुणा ने अपने व्याख्यान में व्यक्तित्व विकास में कला एवं संस्कृति की भूमिका और महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। दो दिवसीय इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को कला एवं नाट्य मंचन की बारीकियाँ, मानव सभ्यता एवं संस्कृति के संवर्धन में कला और नाटक का योगदान, व्यक्तित्व एवं समाज के उत्थान में नाट्य मंचन का प्रभाव, तथा एक शिक्षक की रंगकर्मी के रूप में भूमिका जैसे विषयों पर प्रायोगिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी, विभागाध्यक्ष प्रो. बी.सी. शाह,संदर्भदाता श्री अनुसूया प्रसाद डंगवाल, श्री वीर सिंह मणी, प्रो. बहुगुणा, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. एस.के. आर्य, डॉ. डी.बी. सिंह, डॉ. डी.के. मौर्य सहित बड़ी संख्या में बीएड के प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

आज खेले जाएंगे फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा रोटरी क्लब उत्तराखंड की ओर से आयोजित स्व. आयुष नेगी एवं स्व. नन्ददीप मल्ल मेमोरियल फुटबॉल प्रतियोगिता के लीग मुकाबले सोमवार को चौरास मैदान में हुए। चार टीमों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई। मंगलवार को फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

सीनियर वर्ग के रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास ने सेमफोर्ड बेलकंडी को 1–0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं सेंट थेरेसास कॉन्वेंट और गुरु रामराय स्कूल के बीच मैच 1–1 से ड्रॉ रहा जिसके बाद सेंट थेरेसास ने फाइनल में जगह बनाई। वहीं जूनियर वर्ग में सैंजो पब्लिक स्कूल किलकिलेश्वर मास्टर माइंड को 3–0 से हराकर फाइनल में पहुंची। दूसरे मैच में सेमफोर्ड बेलकंडी ने सेंट थेरेसास को 1–0 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री दिव्यांशी पुत्री छोटे लाल ने इण्टरमीएिट की परीक्षा सन् 2024 में अनुक्रमांक 24344156 से व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड से उत्तीर्ण की है। मेरा इण्टरमीडिएट का प्रमाणपत्र-सह-अंकपत्र वास्तव में खो गया है, जो काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला।

छोटे लाल पुत्र स्व0 सोमनाथ निवासी ग्राम व पोस्ट निम्बूचौड़, पट्टी मोटाढांक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0508/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र अनिल कुमार एवं पुत्रवधु शिवानी मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा रोजाना मेरे व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करते रहते है, जिस कारण मैं अपने पुत्र अनिल कुमार तथा पुत्रवधु शिवानी को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं मेरे पुत्र अनिल कुमार एवं पुत्रवधु शिवानी का मेरी चल-अचल सम्पत्ति में कोई हक अधिकार किसी प्रकार का नहीं होगा। मेरे पुत्र अनिल कुमार एवं पुत्रवधु शिवानी के किसी भी गैर कानूनी कृत्य या उधार के लेन-देन में मेरी अथवा मेरे परिवार के सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

भगत सिंह पुत्र कुन्दन सिंह निवासी वार्ड नंबर 31, पदमपुर मोटाढाक, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0509/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र सुधीर उर्फ राजू तथा पुत्रवधु श्रीमती मीनू पत्नी सुधीर उर्फ राजू रोजाना परिवार में लड़ाई-झगड़ा करते है तथा हमें मारने पीटने को आते है तथा मेरे व मेरी पत्नी के साथ अभद्र व्यवहार करते है। इसलिए मैं अपने पुत्र तथा पुत्रवधु दोनों को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं तथा उनके द्वारा किये गये कार्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेगें।

चतुर सिंह पुत्र स्व0 नत्थू सिंह निवासी ग्राम लोकमणिपुर, पोस्ट लोकमणिपुर, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0507/21)

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए (एकल पैकेट प्रणाली) के अन्तर्गत खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं:–

1	कार्य का नाम व स्थान	कौरहा स्टेशन पर नए माल गोदाम में बुनियादी ढाँचागत सुविधाओं के प्रावधान सहित स्टेशन भवनों, सेवा भवनों, माल गोदाम, परिसंचार क्षेत्र के विद्युतीकरण के लिए सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य, चंदौसी, ज्वालापुर और जंगबहादुर गंज माल गोदामों में बुनियादी ढांचे का उन्नयन/आधुनिकीकरण और उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण/मुरादाबाद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी अन्य स्थल पर सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य ।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 1,64,24,757.78/-
4	बयाना राशि जो जमा की जानी है	₹ 3,28,500/- (ऑनलाइन जमा करें) बोली सुरक्षा या तो ई–पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड अनुबंध–ए (1) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा।
5	ई–निविदा जमा करने व ई–निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 19.05.2026 समय 15:00 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 19.05.2026 समय 15:00 बजे खोली जाएगी।
6	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 04.05.2026 से दिनांक 19.05.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। निविदाकर्ता जो ई–निविदा में भाग लेने को इच्छुक है उनको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपना ई–पंजीकरण करा ले जिसके लिए उन्हें क्लास III डिजिटल प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी (यदि पहले से उपलब्ध नहीं है), जो आई टी नियम–2000 के अन्तर्गत सीसीए द्वारा जारी की जाएगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में दिये गये है। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

प्रपत्र सं. 17–विद्युत/नि/टी/जीपीएस/एम.बी./64 दिनांक: 27.04.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1409/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर जिनके बंद होने की तिथि 20.05.2026 है। निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या, दिनांक	03-GSU-MB-26-27, 27.04.2026
कार्य का नाम	Resurfacing of P/F 4/5 and PF 6 along with coping replacement and making it divyangjan friendly at Shahjahanpur station and Provision of Tactile and divyangjan friendly amenities at PF 4/5 at Hardoi station under Dy. CE/GSU/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	20.05.2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	3,97,13,892.98
धरोहर राशि (रु.)	7,94,300.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	06.05.2026

सं.: Dy. CE/GSU/MB/Publication-03/26-27 दिनांक: 27.04.2026 1402/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पी. जी. कालेज में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डा.पी.डी.बी.एच.रा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के इतिहास विभाग में विभागीय परिषद के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी द्वारा पुरस्कार वितरित किये गए।

विभाग प्रभारी डॉ. प्रवीन जोशी ने बताया कि सत्र 2025–26 में इतिहास विभाग द्वारा विभागीय परिषदीय प्रतियोगी कार्यक्रमों के अंतर्गत उत्तराखंड के ऐतिहासिक स्थलों का सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व नामक विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं भारतीय ज्ञान परंपरा नामक विषय पर भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिसमें श्री जुनीष कुमार के नेतृत्व में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की आयुश्री त्रिपाठी को प्रथम स्थान, एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की दीक्षा घिल्डियाल को द्वितीय स्थान एवं एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की आँचल रावत को तृतीय स्थान हेतु पुरस्कृत किया गया। डॉ. नवरतन सिंह के नेतृत्व में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में श्रेया नेगी (एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर) को प्रथम स्थान, आँचल रावत (एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर) को द्वितीय स्थान तथा दीक्षा घिल्डियाल (एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर) को तृतीय स्थान हेतु प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया।

विभाग प्रभारी डॉ. प्रवीन जोशी ने अवगत करवाया कि इतिहास विभाग द्वारा उक्त प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त इस सत्र में इतिहास : एक अध्ययन एवं मानवतावादी दृष्टिकोण विषय पर एक संगोष्ठी तथा छात्रों के कैरियर उन्नयन हेतु आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में एक व्याख्यान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया था, जिसमें राजस्थान पुलिस अकादमी के प्रो. विकास नौटियाल द्वारा छात्र–छात्राओं को संघ लोक सेवा आयोग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी संबंधी जानकारी दी गई थी। प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामना दी । विभाग द्वारा छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विभाग के अन्य प्राध्यापक श्री जुनीष कुमार एवं डॉ. नवरत्न सिंह उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं.74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 27.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	23-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026	24-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026	25-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026	26-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026	27-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026
कार्य का नाम	Construction of holiday home/ subordinate ORH at Haridwar (HW) and Yog Nagari Rishikesh (YNRK)"	Construction of new Running room at YNRK	Provision of High- Level platforms at MOTICHUR station (PF1&2) along with FOB ramp on LRJ-DDN section.	Provision of High- Level Platforms (PF1) and Provision of FOB ramp at AITHAL under ADEN RK	Heavy repair to Major Br 213 (15x6.1m) downstream cascade and launching apron after 2024 flash floods in HRW- DDN section of ADEN HW.
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
अनुमानित लागत	2,33,46,472.94	2,78,57,392.65	2,22,52,220.75	2,80,43,486.68	1,12,26,789.05
धरोहर राशि	466900.00	5,57,200.00	4,45,100.00	5,60,900.00	2,24,500.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	21.05.2026 16:00	21.05.2026 16:00	21.05.2026 16:00	21.05.2026 16:00	21.05.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	07.05.2026	07.05.2026	07.05.2026	07.05.2026	07.05.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months	06 Months	06 Months	06 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1392/26

संपादकीय

'ऑपरेशन प्रहार" ओहदेदारों पर नतमस्तक

उत्तराखंड पुलिस का "ऑपरेशन प्रहार" बड़े जोर से चल रहा है और सोशल मीडिया पर इसे ऐसे प्रचारित किया जा रहा है मानो अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी जंग छेड़ दी गई हो। अभियान के नाम पर क्या हो रहा है यह किसी से छुपा नहीं है। ऐसे शराबियों को जो सड़क किनारे दो जाम छलकाने के लिए खड़े हो जाते हैं, उनकी बारात निकाल कर पुलिस उन्हें सेरेह कोई बड़ा अपराधी साबित करने जैसा कृत्य कर रही है। पिछले दिनों राजधानी देहरादून में देर रात तक चलने वाले एक बार में हुए विवाद का खामियाजा सेवानिवृत्ति ब्रिगेडियर को उठाना पड़ा था जिसमें दो पक्षों के बीच हुए विवाद में चली गोली उनके जा लगी थी। उस वक्त देहरादून पुलिस ने राजधानी के सभी बार ग्यारह बजे बंद करने के आदेश दिए थे लेकिन कुछ ऐसे बार भी हैं जहां खुद बड़े आला अधिकारी अपना गला तर करने जाते हैं। कुछ अधिकारी ईमानदारी से "ऑपरेशन प्रहार" को गति देने में लगे हैं लेकिन उनके ऊपर बैठे कुछ लोगों का रवैया बार मालिकों पर ऐसा है या यह कहें कि उन्हें मुफ्त की चांदी इन्हीं बार में परोसी जाती है। लिहाजा वे खुद अपने संरक्षण में पूरी रात बार को खुलवाते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण सामने आया है जहां देहरादून के एसपी सिटी एक बार को बंद करवाने पहुंचे तो वहां उनके सामने बार में आनंद उठाने वालों में उत्तराखंड पुलिस के आईजी स्तर के आईपीएस अधिकारी चट्टान बनकर खड़े हो गए जिस पर एसपी सिटी को वहां से लौटना पड़ा। यह वही बार था जहां से शुरू हुए विवाद में ब्रिगेडियर की जान गई थी। यानी "ऑपरेशन प्रहार" महज चंद आम लोगों के लिए लागू है जबकि इसी अभियान की निगरानी करने वाले अपने ही संरक्षण में नियमों को ताक पर रखते हुए अपने ही अधीनस्थों को डरा धमका रहे हैं। खैर इस मामले की भनक एसपी सिटी ने एसएसपी को दी जिस पर देर रात खुद उनके द्वारा इस बार को बंद करवाया गया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर पुलिस की कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है? क्या इस प्रकार के अभियान आम लोगों के लिए ही है या उनकी यह नीति और कानून अपने विभाग वालों पर भी लागू होती है? इस प्रकरण में पुलिस का दोहरा चरित्र सामने आया है जिसमें अधिकारी अपने कार्यालय से भले ही आदेश जारी करते हो लेकिन उन्हीं आदेशों को नेस्तनाबूत करने में वह खुद अहम भूमिका निभाने में भी पीछे नहीं है। अब यह मामला शासन और पुलिस विभाग के लिए गले की हड्डी बन चुका है क्योंकि अभियान का यह दोहरा चरित्र और इसकी असली हकीकत खुलकर समाज के सामने आ चुकी है। प्रकरण मुख्यमंत्री तक के संज्ञान में जा चुका है तो वहीं अभी तक देर रात तक बार में आनंद उठाने वाले आईजी के खिलाफ प्रशासनिक तौर पर कोई एक्शन देखने को नहीं मिला है। आम आदमियों की बारात निकलने वाली पुलिस क्या अपने इस अधिकारी पर हाथ डाल पाएगी या फिर इसे अपना घर का मामला बात कर ठीक वैसे ही क्लीन चिट प्रदान की जाएगी जैसे कि केशव प्रकरण में अपने ही पुलिस अधिकारी को दी गई थी। ऐसी हरकतें पुलिस विभाग की गरिमा को ग्रहण लगा रही है और मुख्यमंत्री को चाहिए कि वह इस दिशा में जल्द से जल्द एक्शन ले ताकि जनता में यह भ्रम ना रहे की पुलिस के यह अभियान केवल आम लोगों के लिए ही है और बड़े अधिकारियों के आगे ऐसे अभियान कोई मायने नहीं रखते।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे।

अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

दल-बदल की दस्तक और लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा

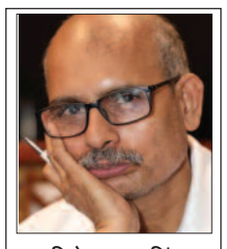

विनोद कुमार सिंह

वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न – चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है?

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है। यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल में बदलता प्रतीत हो रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है। यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं–दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी। इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह तभी किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस 'सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता' के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है। हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का 'राजा' बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दर्शाता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे 'आया राम,गया राम' की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके।

वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दशार्ता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है। क्या हम केवल सत्ता परिवर्तन को ही लोकतंत्र मानते हैं,या उसके मूल्यों और आदर्शों को भी उतना ही महत्व देते हैं। क्या राजनीति केवल एक पेशा बनकर रह गई है,या यह अभी भी सेवा का माध्यम है।

आज जब देश के विभिन्न हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं,ऐसे समय में मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। यह संदेश है कि वे केवल वादों और नारों के आधार पर नहीं,बल्कि नेताओं के आचरण और उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन करें,क्योंकि अंततः वही लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाता है।अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी राजनीति ने एक समय लोगों को यह विश्वास दिलाया था कि व्यवस्था को बदला जा सकता है। आज उसी व्यवस्था के भीतर इस प्रकार के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि परिवर्तन की राह आसान नहीं होती। उसे बनाए रखना उससे भी अधिक कठिन होता है।यह समय केवल आलोचना या समर्थन का नहीं है।यह आत्ममंथन का समय है। राजनीतिक दलों को अपने भीतर झांकना होगा और यह देखना होगा कि वे अपने मूल सिद्धांतों से कितनी दूर चले गए हैं। मतदाताओं को भी यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार की राजनीति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। अंततः लोकतंत्र की मजबूती किसी एक दल,एक नेता या एक घटना पर निर्भर नहीं करती।यह उस सामूहिक चेतना पर निर्भर करती है जो समाज के प्रत्येक नागरिक में विद्यमान होती है।यदि यह चेतना जागृत और सक्रिय रहती है,तो कोई भी दुष्चक्र अधिक समय तक टिक नहीं सकता। आज जब भारतीय राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल घटनाओं को देखने तक सीमित न रहें।हमें उनके पीछे छिपे संकेतों को भी समझना होगा। यही समझ हमें एक बेहतर,सशक्त और नैतिक लोकतंत्र की ओर ले जा सकती है जहाँ सत्ता नहीं,बल्कि सिद्धांत सर्वोपरि हों।

बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री आखिर राज क्या है

संजय गोस्वामी

बिहार में लगता है कहीं फिर होगा सुशासन की जगह कूशासन ना हो जाए क्योंकि नीतीश सरकार सेवामुक्त हो चुकी है और वहाँ की विपक्ष हमलावर दिखाई दे रही है आखिर इसके पीछे की मंशा क्या थी ये सभी को मालूम थी कि बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती है मुख्यमंत्री की रेश में नित्यानंद राय का भी नाम था जो अच्छा आदमी है बोलचाल की भाषा में, बिहार में जिस तरह से नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री पद से सेवामुक्त किया गया और राज्यसभा का सांसद के लिए मनाया गया और फिर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया गया इससे छोटे दलों में ही नाराजगी नहीं है बल्कि बीजेपी का एक बड़ा वर्ग भी इससे नाराज है इसके पहले पूर्व में ऊर्जा मंत्री रह चूके डॉ आर के सिंह ने सम्राट चौधरी को लेकर सवाल किये वो पार्टी को लेकर बेहद चिंताजनक बात है खासकर बिहार को लेकर बीजेपी कई चेहरा थे जो साफ छवि और पढ़े लिखें थे और वर्षो का तजुर्बा था जैसे श्री नन्द किशोर यादव, वहाँ के बीजेपी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी जो पूर्व में वाजपेयी सरकार में सिविल एविएशन मिनिस्टर थे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाना समझ से बाहर है क्योंकि उनके

बोल चाल की भाषा पढ़े लिखे लोगों को पसंद नहीं आती है और शायद बाद में बिहार में बीजेपी को नुकसान हो सकता है नीतीश कुमार ने जानबूझकर उन्हें बनाने पर जोर दिया ताकि सम्राट चौधरी फिर कोई हरकत करेंगे और इसका खामियाजा बीजेपी को अगले चुनाव में क्या बंगाल के चुनाव में ही देखने को मिलेगा जहाँ ममता दीदी की सरकार पूर्ण बहुमत से बन रही है जिसमें निर्णायक भूमिका महिलाओ की होंगी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार जिस तरह बिहार में महिलाओ को एक सम्मान दिया इससे पश्चिम बंगाल में असर दिखेगा क्योंकि बिहार और बंगाल की सीमा सटी है जहाँ तक कुर्मी वोटर का सवाल है वो भी पश्चिम बंगाल में एंटी बीजेपी को गया है जिसकी संख्या काफी अधिक है इसलिए नीतीश कुमार ने बंगाल चुनाव से पहले ही खेल कर दिया और यूपी में भी बाद में असर आएगा आखिर बिहार में नीतीश कुमार को हटाने की जरुरत क्या थी स्वास्थ्य को लेकर जहाँ तक बात है तो राज्यसभा के सांसद भी नहीं बनाना चाहिए और क्या केंद्र में कोई अहम मंत्रालय मिलेगा सब तो भर गए फूड या उससे सम्बंधित मंत्रालय ही मिलेगा जो नीतीश कुमार लेंगे नहीं जहाँ तक बिहार के विकास की बात है तो बुलडोजर से विकास नहीं होगा क्योंकि इससे गरीबो का रोजगार चौपट होता है जब ईरान में घायल मुर्तजा खामनोई बेड पर रहकर भी ईरान की सत्ता चला रहे हैं और आईआरजीसी और वहाँ के मंत्री में टकराव देखने को मिला है उससे ऐ साफ जाहिर है कि देश या राज्य चलाऐ रखने हेतु हेल्थ कोई मुद्दा नहीं होता निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण होता है और जिस तरह नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार में इन्वेस्टमेंट के कई फाइल को रिजेक्ट किया था जो उनके हिसाब से बिहार जैसे गरीब राज्य में अगर इन्वेस्टमेंट हुआ तो तोड़फोड़ होगा जमीनों पर कब्जा होगा और गरीबों को नुकसान होगा इसलिए बिहार में बीजेपी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा में लाकर सेल्फ गोल कर लिया है जोड़ तोड़ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती और दूसरे के घर में झंकाना सही नहीं है इससे समय बर्बाद होता है और व्यक्तिगत आरोप लगता है जो राजनीति में गलत है अब आमआदमी पार्टी के 3 राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में गए हैं सही नहीं है आपको कभी किसी पार्टी ने विश्वास में लिया है तो धोखा देना सही नहीं है अब केजरीवाल के घर का वीडियो दिखाया जा रहा है और बीजेपी आरोप लगा रही है कि इतना बड़ा महल कैसे बनाया, ये व्यक्तित आरोप है इससे बचना चाहिए क्योंकि जब भी माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के ऊपर जब भी किसी बिपक्षी पार्टी ने व्यक्तित आरोप लगाएं हैं तब तब उस पार्टी का बहुत नुकसान हुआ है अतः राजनीति में व्यक्तित आरोप से बचना चाहिए। दरअसल बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री ऐसा चाहिए जो बीजेपी के हाई कमान की बात को माने और सही गलत जो भी हो उसकी मयार्दा का पालन करना है।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

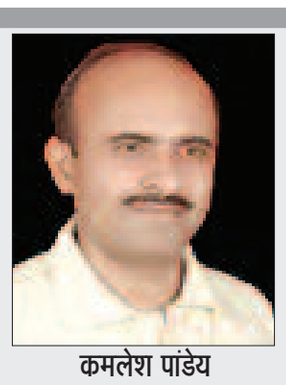

कमलेश पांडेय

अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक औ? हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के 'असुरक्षित' दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव–ये सब किसी भी नेता को 'रक्षात्मक' या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क–कभी-कभी असुरक्षित–दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की 'थानेदार' वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैलीः

ट्रंप की राजनीति में 'हम बनाम वे' का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं–चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक–ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी 'असुरक्षा' का आभास होता है।

छठा, 'असुरक्षा' का एहसास बनाम असली आंकड़े;

अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ

अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का 'केंद्रित' होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया 'खतरे' को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। 'भय अर्थव्यवस्था' भी एक फैक्टर है।

ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा 'प्रतिक्रियावादी' है, 'सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक' कम।

बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव–ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका 'कमजोर' नहीं है, लेकिनःआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि FBI की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है।

मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की; खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकें; कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई।

इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे 'पूरी विफलता' बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए।

वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10-42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर-ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिस/एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

संक्षिप्त समाचार

कांगो में नई सरकार का एलानः अनातोले कोलिनेट माकोसो फिर बने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने की घोषणा

कांगो , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो गणराज्य में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तहत नई सरकार का आधिकारिक गठन हो गया है। राष्ट्रपति डेनिस सासो न्गुएसो ने नेशनल टेलीविजन पर एक विशेष संबोधन के माध्यम से देश की नई कैबिनेट की घोषणा की। इस नई व्यवस्था में अनातोले कोलिनेट माकोसो को एक बार फिर से प्रधानमंत्री की कमान सौंपी गई है। राष्ट्रपति न्गुएसो ने माकोसो पर पुन : विश्वास जताते हुए उन्हें देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी दी है। नई सरकार का स्वरूप काफी व्यापक रखा गया है। प्रधानमंत्री माकोसो के नेतृत्व वाली इस टीम में एक डिप्टी प्रधानमंत्री, तीन राज्य मंत्री और 37 मंत्रियों को जगह दी गई है। सरकार में अनुभव और निरंतरता को महत्व देते हुए कई पूर्व मंत्रियों को नई भूमिकाएं सौंपी गई हैं। इनमें से क्षेत्रीय योजना और बड़े कार्यों के पूर्व राज्य मंत्री जीन-जैक्स बौया को प्रमोट करते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और टेरिटोरियल प्लानिंग का इंचार्ज उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं, पियरे ओबा को राष्ट्रपति कार्यालय में राजनीतिक मामलों का प्रभारी राज्य मंत्री बनाया गया है। क्लाउड अल्फोंस न्सिलौ को कंस्ट्रक्शन, अर्बन प्लानिंग और हाउसिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पियरे माबियाला को सिविल सेवा, श्रम और सामाजिक संवाद विभाग का राज्य मंत्री नियुक्त किया गया है। इस नई सरकार का गठन कांगो में हुए हालिया राष्ट्रपति चुनावों के बाद हुआ है। कांगो के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद एक नया प्रधानमंत्री नियुक्त करना और नई सरकार का गठन करना अनिवार्य होता है। बता दें कि 15 मार्च को हुए राष्ट्रपति चुनाव में डेनिस सासो न्गुएसो ने 94.9 प्रतिशत के भारी बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, इस चुनाव में लगभग 84.65 फीसदी मतदाताओं ने हिस्सा लिया था। हालांकि, इस राजनीतिक प्रक्रिया के साथ विवाद भी जुड़े रहे हैं। चुनाव के दौरान विपक्ष की दो बड़ी पार्टियों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसका बहिष्कार किया था और धांधली के गंभीर आरोप लगाए थे। विपक्ष के कद्दावर नेता जनरल जीन-मैरी मिशेल मोकोको और आंद्रे ओकोम्बी सालिसा ने इस पूरी प्रक्रिया का पुरजोर विरोध किया। चुनाव के दिन राजधानी ब्राजाविल में ट्रैफिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और इंटरनेट सेवाएं भी पूरी तरह बंद कर दी गई थीं, जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री माकोसो ने नई सरकार के गठन से पहले 17 अप्रैल को अपना इस्तीफा सौंपा था। जिसके बाद 23 अप्रैल को उन्हें आधिकारिक तौर पर दोबारा नियुक्त किया गया। अब उनके सामने न्गुएसो के विजन को धरातल पर उतारने की बड़ी चुनौती होगी।

दाऊद गैंग को लगा बड़ा झटकाः गिरफ्तार हुआ खास गुर्गा सलीम डोला; खबरों में दावा- तुर्किये में पुलिस ने दबोचा

इस्तांबुल , एजेंसी। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तुर्की की सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पकड़ा है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने सलीम डोला की गिरफ्तारी की खबर की पुष्टि की है। डोला इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के दायरे में था। यह नोटिस भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुंबई पुलिस में दर्ज मामलों के आधार पर जारी किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का सरगना माना जाता है कि सलीम डोला भारत भर में फैले कई गुप्त अड्डों और कारखानों का इस्तेमाल करके कई देशों में फैले एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग तस्करी नेटवर्क को चला रहा था। सूत्रों के अनुसार, वह दुबई से अपने ड्रग रैकेट को नियंत्रित करता था। रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारी की पुष्टि होने से पहले एक भारतीय अधिकारी ने कहा था कि अगर डोला पकड़ा जाता है, तो उसके ड्रग तस्करी गिरोह के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने, जिन्होंने गुमनाम रहने की शर्त पर बात की, कहा, 'अगर डोला को हिरासत में लिया गया है, तो यह बहुत अच्छी खबर है और उसके तस्करी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।' सूत्रों ने बताया है कि सलीम डोला के ड्रग तस्करी नेटवर्क का सालाना कारोबार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का था। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट की कुल कमाई का कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है।पिछले साल, सलीम डोला के बेटे ताहिर डोला को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानीय अधिकारियों और इंटरपोल की मदद से हिरासत में लिया गया था। ताहिर डोला को जून 2025 में सफलतापूर्वक भारत प्रत्यर्पित किया गया था। इसके कुछ महीनों बाद, सलीम डोला के एक प्रमुख सहयोगी सलीम मोहम्मद सोहेल शेख को दुबई से निर्वासित कर मुंबई एंटी-नारकोटिक्स सेल ने कई मामलों में गिरफ्तार किया था। कई मामलों में वांछित सलीम डोला और उसके सहयोगियों के खिलाफ भारत में ड्रग तस्करी, निर्माण और अन्य अपराधों से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों का भी सामना कर रहे हैं।

चीन के चौथे परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर

'हे जियान' ने बढ़ाई दुनिया की टेंशन

बीजिंग, एजेंसी। चीन की नौसेना ने समुद्र में अपना दबदबा बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अपनी 77वीं वर्षगांठ के मौके पर एक नया वीडियो जारी किया है। इस खास चीन के नए विमान वाहक का वीडियो ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तटीय रक्षा से लेकर गहरे समुद्र तक चीनी नौसेना की बढ़ती ताकत इसमें दिखाई गई है।

इस वीडियो में पुराने जहाजों के अधिकारियों को नए लोगों को कंपास सौंपते दिखाया गया है। इसके साथ ही चौथे संभावित एयरक्राफ्ट कैरियर 'हे जियान' के निर्माण का भी बड़ा संकेत मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चीन का पहला पूरी तरह से परमाणु ऊर्जा संचालित जहाज होगा। इस नए जंगी जहाज के आने से अमेरिका और भारत जैसे देशों की रणनीतिक चिंताएं बढ़ेंगी।

हे जियान का संकेत

चीनी नौसेना के वीडियो में चौथे जहाज का नाम 'हे जियान' होने की मजबूत संभावना जताई गई है। चीनी भाषा में 'हे' शब्द का सीधा मतलब परमाणु ऊर्जा से जुड़ा हुआ माना जाता है। अगर यह सच है तो यह दुनिया में चीन की नौसैनिक ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा

डालियान शिपयार्ड की सैटेलाइट तस्वीरों में एक बहुत ही विशालकाय जहाज बनता हुआ साफ दिख रहा है। यह जहाज आकार में अमेरिका के जेराल्ड आर. फोर्ड श्रेणी के जंगी जहाजों के बिल्कुल समान है। इन तस्वीरों में जहाज पर परमाणु रिएक्टर रोकथाम जैसी संरचनाएं भी आसानी से देखी जा सकती हैं।

पारंपरिक जहाजों से अलग

वर्तमान में चीन के पास लियाओनिंग, शेडोंग और फुजियान नाम के तीन एयरक्राफ्ट कैरियर मौजूद हैं। ये तीनों विमानवाहक पोत अभी तक पूरी तरह से पारंपरिक ईंधन की मदद से ही चलते हैं। लेकिन नया कैरियर चीन का पहला स्वदेशी और परमाणु ऊर्जा से संचालित होने वाला जहाज होगा।

फुजियान की खूबियां

पिछले साल नवंबर में चीन ने अपना तीसरा और सबसे आधुनिक कैरियर 'फुजियान' नौसेना में शामिल किया था। लगभग 80,000 टन वजनी यह जहाज अत्याधुनिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल तकनीक से पूरी तरह लैस है। अब तक यह खास और उन्नत तकनीक केवल अमेरिकी नौसेना के जहाजों के पास ही मौजूद थी।

जहाजों की तुलना

चीन के पास इस समय कुल 234 जंगी युद्धपोतों का एक बहुत बड़ा और मजबूत बेड़ा है। यह संख्या सीधे तौर पर अमेरिका के 219 जहाजों की तुलना में काफी अधिक मानी जा रही है। हालांकि अमेरिका के पास अभी भी 11 परमाणु संचालित एयरक्राफ्ट कैरियर की जबरदस्त ताकत मौजूद है।

वैश्विक मार्गों पर नजर

विशेषज्ञों के अनुसार चीन अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण यह विस्तार तेजी से कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक समुद्री व्यापार मार्गों पर अपना पूर्ण नियंत्रण और एकाधिकार स्थापित करना है। फुजियान के बाद चीन अब हिंद महासागर और अरब सागर में भी अपनी गश्त बढ़ा सकता है।

भारत के लिए चिंता

चीन जिबूती, ग्वादर और हंबनटोटा जैसे ठिकानों से भारत के समुद्री क्षेत्र में सक्रिय हो गया है। इन गतिविधियों ने भारतीय नौसेना के सामने कई नई और गंभीर सुरक्षा चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इसके जवाब में भारत भी आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

कोलंबिया में हिंसक हमले जारी, बस में भीषण बम धमाके से गई सात की जान; कई घायल

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिम इलाके में शनिवार को एक बस में बम धमाका हुआ। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई और 17 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। काउका प्रांत के गवर्नर ओक्टावियो गुजमैन ने बताया कि यह धमाका काजिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुआ। बस उस समय रास्ते पर चल रही थी जब उसमें रखा विस्फोटक फट गया। सेना के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है। उन्होंने इस हमले का जिम्मेदार इवान मोर्डिस्को के नेटवर्क और जेम मार्टिनेज गुट को ठहराया। ये दोनों गुट पूर्व विद्रोही संगठन फार्क से अलग हुए समूह हैं। इन समूहों ने साल 2016 में सरकार के साथ हुए शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया था।

राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस हमले पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि काजिबियो में सात नागरिकों की हत्या करने वाले लोग आतंकवादी और ड्रग तस्कर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मरने वालों में कई लोग आदिवासी समुदाय के थे। यह हमला पिछले दो दिनों में हुई हिंसा की कई घटनाओं में से एक है। जनरल लोपेज के अनुसार, इस क्षेत्र में पिछले 48 घंटों में 26 आपराधिक घटनाएं हुई हैं।

शनिवार को ही अधिकारियों ने एल टैम्बो में विस्फोटक से लदे तीन ड्रोन मार गिराए। इससे पहले शुक्रवार को काली और पल्मिरा में सेना की यूनिट्स के पास दो गाड़ियों में धमाके किए गए थे। जमुंडी के ग्रामीण इलाके में एक पुलिस स्टेशन पर भी गोलीबारी हुई। अधिकारियों का कहना है कि काउका और वैले डेल काउका इलाके ड्रग तस्करी के बड़े केंद्र हैं। विद्रोही गुट बुएनावेंचुरा बंदरगाह तक जाने वाले रास्तों पर कब्जा करना चाहते हैं। इन रास्तों से मध्य अमेरिका और यूरोप में ड्रग्स भेजी जाती है। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि सरकार इन अपराधियों को कड़ा जवाब देगी। वैले डेल काउका की गवर्नर फ्रांसिस्का टोरो ने केंद्र सरकार से तुरंत मदद मांगी है। उन्होंने सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने और खुफिया अभियान तेज करने की अपील की। सरकार ने विद्रोही नेता मार्लोन को पकड़ने के लिए 10 लाख डॉलर से ज्यादा के इनाम की घोषणा की है।

माली में इस्लामी उग्रवादियों ने फैलाया आतंक, कई जगहों पर हमलों को दिया अंजाम, भारत ने जारी की एडवाइजरी

माली , एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको और देश के अन्य शहरों में शनिवार को इस्लामी उग्रवादियों और अलगाववादियों ने कई स्थानों पर हमले किए। यह हाल के वर्षों में देश में हुए सबसे बड़े हमलों में से एक था। अल-कायदा से जुड़ा एक आतंकवादी समूह, जकातत नसर अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

वहीं, पश्चिम अफ्रीकी देश माली में हालिया सुरक्षा घटनाओं के मद्देनजर भारत सरकार ने वहां रह रहे अपने नागरिकों को अत्यधिक सतर्क रहने, सावधानी बरतने और घर के अंदर रहने की सलाह दी है।

भारतीय दूतावास ने जारी किए सुरक्षा बरतने के निर्देश : माली की राजधानी बमाको में स्थित भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, 'माली के काटी और अन्य हिस्सों में हालिया सुरक्षा घटनाओं और हमलों की रिपोर्टों के कारण देश में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सतर्क रहने, अधिकतम सावधानी बरतने, घर के अंदर रहने और समय-समय पर माली के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह करता है।'

दूतावास ने यह भी बताया कि वह माली के अधिकारियों के साथ समन्वय में उभरती स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और आवश्यकतानुसार आगे के अपडेट जारी करेगा। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से अपनी वेबसाइट और दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के माध्यम से संपर्क में रहने का आग्रह किया है। किसी भी आपातकालीन सहायता के लिए भारतीय नागरिकों को दूतावास से +223 78486019/94793705 पर संपर्क करने की भी सलाह दी गई है।

कई जगहों पर इस्लामी उग्रवादियों ने किया हमला : जेएनआईएम ने अपनी वेबसाइट पर दावा किया कि ये हमले अजावाद लिबरेशन फ्रंट (एएलएफ) के साथ मिलकर किए गए थे, जो एक तुआरेग-नेतृत्व वाला अलगाववादी समूह है। इन हमलों में माली की राजधानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ मध्य और उत्तरी माली के चार अन्य शहरों को निशाना बनाया गया।

माली पहले से ही अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े संगठनों के साथ-साथ उत्तर में एक अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। मालियाई सेना ने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने बमाको में कुछ स्थानों और बैरकों को निशाना बनाया। बाद में एक अन्य बयान में सेना ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

हवाई अड्डे के पास बरसाई गोलियां : बमाको में एक समाचार एजेंसी के पत्रकार ने मोडिबो कीटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास से भारी हथियारों और स्वचालित राइफलों की लगातार आवाजें सुनीं। हवाई अड्डा माली के वायु सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक हवाई अड्डे के बगल में स्थित है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक निवासी ने भी गोलीबारी और तीन हेलीकॉप्टरों को इलाके में गश्त करते देखा।

मजाक में कही बात हो गई सचः आज रात गोलियां चलेंगी', ट्रंप पर हमले से पहले प्रेस सचिव ने कही थी कुछ ऐसी ही बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर के दौरान उस समय भारी अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। घटना के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए डोनाल्ड ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। अधिकारियों ने बाद में पुष्टि की कि ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि इतने हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान इस तरह की चूक को बड़ी विफलता माना जा रहा है। हालांकि सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

लेविट का बयान क्यों हो रहा वायरल? : हालांकि इस मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का एक बयान खूब चर्चा में आ गया है।

जहां उन्होंने एक पत्रकार से बातचीत में मजाक-मजाक में कहा था कि आज रात गोलियां चलने वाली है। लेविन ने इस बात पर जोर दिया था कि राष्ट्रपति का भाषण क्लासिक डोनाल्ड जे. ट्रंप जैसा होगा। इस बयान को अब लोग घटना से जोड़कर देख रहे हैं और सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है।

वहीं कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर भी तैयारी चल रही थी और दर्शकों को टीवी पर कवरेज देखने के लिए कहा गया था। लेकिन गोलीबारी की घटना ने पूरे माहौल को बदल दिया और कार्यक्रम की सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया। यह घटना अब जांच के घेरे में है और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हमलावर अंदर तक कैसे पहुंचा या हमला करने की कोशिश कैसे हुई।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज होकर पहले की तरह कब से गुजरेंगे जहाज? यूएस ने माइंस हटाने का काम शुरू किया

वाशिंगटन, एजेंसी। गोल्डमैन सैक्स रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के फिर से खुलने के कुछ ही महीनों के भीतर खाड़ी क्षेत्र का कच्चा तेल उत्पादन काफी हद तक ठीक हो सकता है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध-पूर्व के स्तर तक पूरी तरह से वापसी में समय लग सकता है। अगर यह महत्वपूर्ण जलमार्ग बंद रहता है तथा पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो कच्चे तेल के उत्पादन को और भी अधिक जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

रिसर्च में अनुमान लगाया गया है कि खाड़ी क्षेत्र का उत्पादन युद्ध-पूर्व के स्तर की तुलना में 14.5 मिलियन बैरल प्रति दिन यानी 57% तक गिर गया है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि अगर तेल संपत्तियों पर नए सिरे से कोई हमला नहीं होता है और आने वाले महीनों में यह जलडमरूमध्य पूरी तरह से और सुरक्षित रूप से फिर से खुल जाता है, तो उत्पादन में तेजी से सुधार संभव है। उत्पादन में सुधार की गति परिवहन और कुओं से तेल निकलने की दर पर निर्भर करेगी। एक बार जब यह जलमार्ग फिर से खुल जाएगा, तो मुख्य बाधाएं पाइपलाइन की क्षमता, पहले से निकाले गए तेल को ले जाने के लिए खाली टैंकरों की उपलब्धता, और तेल क्षेत्रों में मरम्मत व रखरखाव के काम के लिए जरूरी सामग्री और कर्मचारियों को जुटाने से जुड़ी हो सकती हैं।

संघर्ष शुरू होने के बाद से खाड़ी क्षेत्र में उपलब्ध खाली टैंकरों की क्षमता में लगभग 50 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि पूरी तरह से ठीक होने में कई तिमाहियां लग सकती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिकी नौसेना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ईरानी बारूदी सुरंगों को हटाने का काम शुरू कर चुकी है। यह कदम वैश्विक तेल आपूर्ति को बहाल करने के लिए उठाया गया है, क्योंकि इस मार्ग के बंद होने से दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में है। समुद्र के नीचे बिछाई गई इन विस्फोटक सुरंगों को साफ करने में कम से कम 6 महीने लग सकते हैं।

कौन है कोल एलन? जिसने ट्रंप की डिनर पार्टी में बरसाई गोलियां

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर से ठीक पहले हुई फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान पकड़े गए व्यक्ति की पहचान कैलिफोर्निया के 31 वर्षीय टीचर कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। अधिकारियों ने उसे एक 'अकेला भेड़िया' और 'असामान्य व्यवहार वाला व्यक्ति' बताया है।डोनाल्ड ट्रंप ने घटना के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आरोपी के पास कई हथियार थे और वह डिनर स्थल में घुसने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने उसे वाशिंगटन हिल्टन के बॉलरूम के बाहर ही रोक लिया, जिससे बड़ी घटना टल गई।मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू बरामद किए गए हैं। उसे रोकने के दौरान सुरक्षाबलों ने गोली चलाई, जिसके बाद उसे काबू में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया।वॉशिंगटन डीसी की मेयर म्यूरियल बोसर ने पुष्टि की कि घटना में केवल एक ही व्यक्ति शामिल था और वह अकेले ही डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था। वहीं, यूएस अटॉर्नी जीनिन पिरो ने बताया कि एलन पर दो गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें हिंसा के दौरान हथियार का इस्तेमाल और एक अधिकारी पर खतरनाक हथियार से हमला शामिल है।

दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाले पाकिस्तान में बलूच कार्यकर्ताओं पर अत्याचार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूरे पाकिस्तान में मानवाधिकारों को लेकर एक गंभीर और नई बहस छेड़ दी है। दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाला यह देश अब अपने ही नागरिकों पर भारी अत्याचार कर रहा है। बलूच यकजेहती कमेटी की प्रमुख सदस्य फोजिया बलोच को कराची प्रेस क्लब से पुलिस ने अचानक हिरासत में लिया है। इस मनमानी और अवैध गिरफ्तारी का देश और दुनिया के तमाम प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने कड़ा विरोध किया है।

फोजिया बलोच अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने लापता भाई का मुद्दा उठाने प्रेस क्लब पहुंची थीं। उनके भाई दादशाह बलोच को 21 अप्रैल को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया था। लापता भाई की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करने से भी पुलिस ने पूरी तरह से इनकार कर दिया था। न्याय की मांग करने वाले परिवारों को डराया जा रहा है और उनकी आवाज को बेरहमी से दबाया जा रहा है।

प्रेस क्लब से गिरफ्तारी: फोजिया बलोच शनिवार को कराची प्रेस क्लब में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए पहुंची थीं। पुलिस ने उन्हें और उनके परिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से रोककर जबरन अज्ञात स्थान पर भेज दिया। बलूच यकजेहती कमेटी ने सरकार से फोजिया और उनके भाई दादशाह की तुरंत रिहाई की जोरदार मांग की है।

मानवाधिकारों का हनन : बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग 'पांक' ने पाकिस्तान सरकार की इस हरकत की कड़ी निंदा की है। संगठन ने कहा कि यह पीड़ित परिवारों की आवाज दबाने और उन्हें न्याय से वंचित करने की गहरी साजिश है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से पाकिस्तान की जवाबदेही तय करने की पुरजोर और गंभीर अपील की गई है।

महिलाओं पर अत्याचार : बलूच स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन आजाद ने अधिकारियों पर महिलाओं को गायब करने को सामान्य बनाने का आरोप लगाया है। संगठन के प्रवक्ता शोलन बलोच ने दावा किया कि इस साल करीब दो दर्जन बलूच महिलाओं को उठाया गया है। क्वेटा, कराची और खुजदार जैसे कई अलग-अलग इलाकों से महिलाओं को जबरन उठाकर कड़ी प्रताड़ना दी जा रही है।

आवाज दबाने की कोशिश : बलूच वॉयस फॉर जस्टिस ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तान में असहमति के लिए सार्वजनिक जगह बहुत कम हो गई है। लापता लोगों की जानकारी मांगने वाले दुखी परिवारों को लगातार डराया और धमकाया जा रहा है। झूठे नैरेटिव गढ़कर बलूचिस्तान के शांतिपूर्ण आंदोलन को हर स्तर पर कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं।

पुलिस का रवैया : दादशाह बलोच के अपहरण के बाद परिवार ने तुरंत पुलिस में मामला दर्ज कराने की पूरी कोशिश की थी। पुलिस ने इस गंभीर मामले में किसी भी तरह की कानूनी शिकायत या रिपोर्ट लिखने से साफ मना कर दिया। इस रवैये से साफ जाहिर होता है कि सुरक्षा बल ही इन अपहरण की घटनाओं के पीछे मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

आंदोलन का भविष्य : फोजिया बलोच की रिहाई के लिए अब बड़ी संख्या में लोग अपना भारी विरोध जताने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। बलूच समुदाय का यह दर्द और आक्रोश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार संगठनों का ध्यान भी खींच रहा है। अगर पाकिस्तान ने इस अत्याचार को नहीं रोका तो देश के भीतर बुनियादी अधिकारों का एक भयानक संकट खड़ा हो जाएगा।

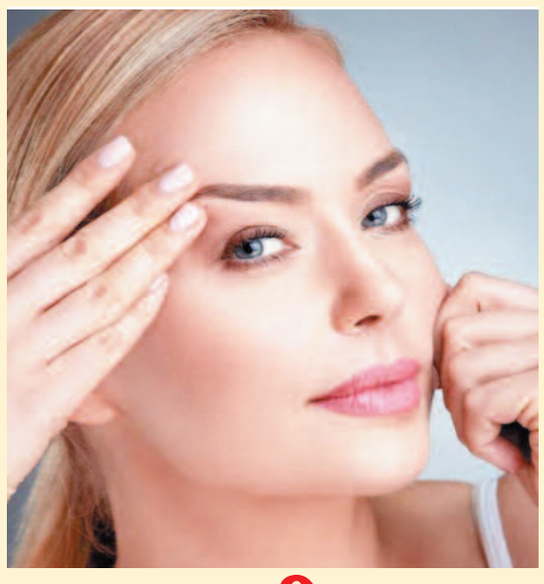

लटकती त्वचा से पाएं निजात

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है।

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25-30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है।

स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां (सूखी और पाउडर के रूप में)
चावल का आटा
मुल्तानी मिट्टी

कैसे तैयार करें फेस पैक ?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।

2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।

3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।

4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।

5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.

6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।

7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

रील्स से रियल लाइफ तक: मोबाइल की दुनिया में खोती खुशी !

क्या सोशल मीडिया छीन रहा है युवाओं की मुस्कान?

मोबाइल हाथ में आते ही उंगलियां जैसे अपने आप स्क्रीन पर दौड़ने लगती हैं. एक रील खत्म होती है तो दूसरी सामने, फिर स्टोरी, फिर पोस्ट... और देखते-देखते कब एक-दो घंटे निकल जाते हैं, पता ही नहीं चलता. आज के युवाओं के लिए यह सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी है, लेकिन इसी आदत के पीछे एक ऐसा सच छिपा है, जो थोड़ा परेशान करने वाला है. हाल ही में आई एक ग्लोबल रिपोर्ट ने इशारा किया है कि ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले युवाओं की खुशी और संतुष्टि धीरे-धीरे कम हो रही है. खास बात यह है कि इसका असर सबसे ज्यादा किशोर लड़कियों में देखा गया है.

सोशल मीडिया और खुशी का रिश्ता

आज के दौर में सोशल मीडिया सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह हमारी सोच, भावनाओं और आत्मविश्वास तक को प्रभावित करने लगा है. रिपोर्ट में साफ तौर पर सामने आया है कि जो किशोर ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें लाइफ सैटिस्फैक्शन कम देखने को मिलता है. यह जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया ही इसका सीधा कारण हो, लेकिन दोनों के बीच एक मजबूत कनेक्शन जरूर दिख रहा है. जिन युवाओं का स्क्रीन टाइम सीमित है, वे खुद को ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं. वहीं, लंबे समय तक ऑनलाइन रहने वाले युवाओं में यह स्तर गिरता नजर आता है.

किशोर लड़कियों पर ज्यादा असर क्यों?

रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह है कि 15 साल की लड़कियों में यह असर सबसे ज्यादा देखा गया है. इसका एक बड़ा कारण है सोशल मीडिया पर दिखने वाला 'परफेक्ट लाइफ' का भ्रम. आज इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर हर कोई अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा दिखाता है. खूबसूरत तस्वीरें, शानदार लाइफस्टाइल, ट्रैवल, ब्रांडेड कपड़े. यह सब देखकर कई बार किशोर लड़कियां खुद की तुलना करने लगती हैं. यही तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कम कर देती है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

आखिर युवा देख क्या रहे हैं?

यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप वहां क्या देख रहे हैं, अगर कोई यूजर लगातार ऐसे कंटेंट देख रहा है जो दिखावे, ग्लैमर और 'परफेक्ट लाइफ' को बढ़ावा देता है, तो इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है. वहीं, अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए किया जाए, तो इसका असर पॉजिटिव भी हो सकता है. आजकल एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को आगे बढ़ाता है, जो ज्यादा एंगेजमेंट लाता है. इसका मतलब है कि यूजर्स को वही चीजें ज्यादा दिखती हैं, जो उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन पर रोके रखें. चाहे वह कंटेंट उनके लिए अच्छा हो या नहीं.

किन देशों में दिखा ज्यादा असर?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे अंग्रेजी भाषी देशों में यह गिरावट ज्यादा देखने को मिली है. पिछले करीब एक दशक में इन देशों के युवाओं की लाइफ सैटिस्फैक्शन कम हुई है. इसके पीछे सिर्फ सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि सामाजिक सपोर्ट भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है. जिन युवाओं को परिवार और समाज से कम सपोर्ट मिलता है, वे ज्यादा असंतुष्ट महसूस करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि बाकी दुनिया के कई हिस्सों में युवाओं की खुशी का स्तर बढ़ा है. इससे यह साफ होता है कि सिर्फ डिजिटल दुनिया ही नहीं, बल्कि असली दुनिया में मिलने वाला सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है.

क्या सरकारें उठाने लगी हैं कदम?

इस बढ़ते असर को देखते हुए कई देशों ने बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर सख्ती पर विचार शुरू कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया जैसे देश 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं. यह कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि अब यह सिर्फ एंटरटेनमेंट का मामला नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बन चुका है.

असली समस्या: स्क्रीन टाइम या कंटेंट?

अगर ध्यान से देखें तो मामला सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं है. असली सवाल यह है कि हम डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं और उससे कितना प्रभावित हो रहे हैं. मान लीजिए, एक छात्र रोज घंटों मोटिवेशनल या एजुकेशनल कंटेंट देखता है, तो उसका असर अलग होगा. वहीं, अगर कोई लगातार दूसरों की 'परफेक्ट लाइफ' देखकर खुद को कमतर समझने लगे, तो यह उसकी खुशी को जरूर प्रभावित करेगा.

क्या किया जा सकता है?

इसका हल पूरी तरह सोशल मीडिया छोड़ देना नहीं है, बल्कि इसे समझदारी से इस्तेमाल करना है. कुछ छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं-जैसे स्क्रीन टाइम सीमित करना, अपने कंटेंट फीड को कंट्रोल करना और असली दुनिया में ज्यादा समय बिताना. परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत, आउटडोर एक्टिविटी और खुद के लिए समय निकालना-ये सब चीजें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं. सोशल मीडिया आज की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल धीरे-धीरे युवाओं की खुशी को प्रभावित कर रहा है. खासकर किशोर लड़कियों में इसका असर ज्यादा दिखना चिंता की बात है. ऐसे में जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया और असली जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना सीखें.

रिपोर्ट कार्ड से नहीं खुलेगा राज ! पीटीएम में ये सवाल पूछेंगे तो ही समझ आएगी बच्चे की असली ग्रोथ

साल के आखिर में होने वाली पीटीएम यानी पेरेंट टीचर ?मीटिंग को अक्सर माता-पिता सिर्फ रिपोर्ट कार्ड देखने तक सीमित कर देते हैं. कुछ मिनट बैठकर नंबर पूछे, 'ठीक है' कहा और घर लौट आए, लेकिन सच कहें तो बच्चे की असली कहानी नंबरों से कहीं ज्यादा बड़ी होती है. उसकी क्लास में मौजूदगी कैसी है, वह दोस्तों के साथ कैसा व्यवहार करता है, छोटी-छोटी हार-जीत को कैसे संभालता है-ये सब बातें उसके भविष्य की नींव तय करती हैं. यही वजह है कि आखिरी पीटीएम सिर्फ एक फॉर्मेलिटी नहीं, बल्कि बच्चे को समझने का मौका होती है, अगर सही सवाल पूछे जाएं, तो आप बच्चे के इमोशनल, सोशल और बिहेवियरल ग्रोथ की असली तस्वीर जान सकते हैं. इस बार पीटीएम में जाएं तो सिर्फ मार्कशीट नहीं, ये 9 जरूरी सवाल जरूर साथ लेकर जाएं.

कौन-कौन से सवाल जरूर पूछें?

1. क्या मेरा बच्चा क्लास में खुश और सहज रहता है?

यह सबसे बुनियादी सवाल है, लेकिन यहीं से सब शुरू होता है, अगर बच्चा क्लास में सहज नहीं है, तो पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा. टीचर से जानिए कि वह स्कूल में खुद को कितना सुरक्षित और खुश महसूस करता है.

2. वह दूसरे बच्चों के साथ कैसे घुलता-मिलता है?

दोस्ती करना भी एक स्किल है. कुछ बच्चे जल्दी घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ को समय लगता है, अगर बच्चा अलग-थलग रहता है, तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

3. क्या वह ग्रुप में खेलता है या अकेले रहना पसंद करता है?

यह सवाल बच्चे की पर्सनालिटी को समझने में मदद करता है. हर बच्चा अलग होता है, लेकिन लगातार अकेलापन कभी-कभी चिंता का संकेत हो सकता है.

पीटीएम में क्यों जरूरी हैं सही सवाल?

पीटीएम सिर्फ एक मीटिंग नहीं, बल्कि स्कूल और घर के बीच पुल की तरह होती है. यहां टीचर वो बातें बता सकते हैं जो बच्चा घर पर नहीं दिखाता. कई बार बच्चे क्लास में अलग व्यवहार करते हैं-कुछ ज्यादा चुप हो जाते हैं, तो कुछ ज्यादा एक्टिव. अगर आप सही सवाल नहीं पूछते, तो ये जरूरी बातें छूट जाती हैं. और फिर हम सोचते रह जाते हैं कि 'बच्चा बदल क्यों रहा है?'

बच्चे की भावनाओं को समझना भी जरूरी

4. जब चीजें उसके मन मुताबिक नहीं होतीं, तो वह कैसे रिएक्ट करता है?

मान लीजिए बच्चा गेम हार गया या उसकी बारी देर से आई-क्या वह गुस्सा करता है या शांत रहता है? यह उसकी इमोशनल कंट्रोल क्षमता दिखाता है.

5. क्या वह क्लास एक्टिविटीज में हिस्सा लेता है?

क्या बच्चा हाथ उठाकर जवाब देता है या पीछे बैठकर चुप रहता है? इससे उसका आत्मविश्वास साफ झलकता है.

6. क्लास में उसके सबसे करीबी दोस्त कौन हैं?

यह जानना जरूरी है कि बच्चा किन बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताता है. उसका सर्कल उसके व्यवहार को काफी प्रभावित करता है.

समस्या सुलझाने की क्षमता भी देखें

7. अगर किसी से झगड़ा हो जाए, तो वह क्या करता है?

क्या बच्चा तुरंत शिकायत करता है, रोने लगता है या खुद बात करके सुलझाने की कोशिश करता है? यह उसकी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स का संकेत है.

8. क्या वह दूसरों की मदद करता है?

सहानुभूति एक बड़ी खूबी है, अगर बच्चा दूसरों की मदद करता है या उनके प्रति संवेदनशील है, तो यह उसके अच्छे व्यक्तित्व का संकेत है.

9. क्या जरूरत पड़ने पर वह मदद मांगता है?

कई बच्चे शर्म या डर के कारण मदद नहीं मांगते, अगर बच्चा खुलकर अपनी बात रखता है, तो यह उसके आत्मविश्वास को दिखाता है.

सिर्फ नंबर नहीं, पूरी तस्वीर देखें

आज के समय में सिर्फ अच्छे नंबर ही सफलता की गारंटी नहीं हैं. एक बच्चा जो भावनात्मक रूप से मजबूत है, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करता है और खुद को समझता है-वही आगे जाकर बेहतर इंसान बनता है.

पीटीएम में सही सवाल पूछकर आप अपने बच्चे को बेहतर समझ सकते हैं. यह न सिर्फ उसकी पढ़ाई, बल्कि उसकी पूरी जिंदगी को दिशा देने में मदद करेगा.

वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोएं या सप्ताह में, इसका सही तरीका क्या हैं?

आज के समय में वॉशिंग मशीन हर घर की एक बेहद खास जरूरत बन चुकी है. लेकिन कई बार एक आम सवाल लोगों के मन में आता है, क्या वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोना चाहिए या सप्ताह में 2 बार धोना बेहतर होता है? इसका सही जवाब आपकी जीवनशैली, कपड़ों की संख्या और मशीन के रख-रखाव पर निर्भर करती है. आइए इसके पीछे के कारणों को विस्तार से समझते हैं.

रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के फायदे

रोज कपड़े धोने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कपड़े जमा नहीं होते. जिन परिवारों में बच्चे होते हैं या जिन लोगों को रोज ऑफिस जाना होता है, वहां रोज धुलाई से कपड़े साफ और ताजे रहते हैं.

इसके अलावा, रोज धोने पर कपड़ों पर दाग जमने का खतरा कम रहता है, जिससे कम डिटर्जेंट और कम मेहनत में कपड़े साफ हो जाते हैं. हल्का लोड होने से मशीन पर ज्यादा जोर नहीं पड़ता और वॉश क्वालिटी भी बेहतर रहती है.

रोज़ धोने के नुकसान

हालांकि रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के कुछ नुकसान भी हैं. सबसे पहला नुकसान है बिजली और पानी की खपत. रोज़ मशीन चलाने से बिजली का बिल और पानी की खपत बढ़ सकती है.

इसके अलावा, कम कपड़ों के साथ मशीन चलाने से ड्रम और मोटर का सही उपयोग नहीं हो पाता, जिससे लंबे समय में मशीन की कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है. कुछ कपड़े बार-बार धोने से जल्दी पुराने भी दिखने लगते हैं.

सप्ताह में 2 बार मशीन में कपड़े धोने के फायदे

सप्ताह में 2 बार कपड़े धोना कई मामलों में ज्यादा व्यावहारिक और सही माना जाता है. इस तरीके से मशीन को फुल या ऑप्टिमल लोड मिलता है, जिससे पानी और बिजली दोनों की बचत होती है. एक साथ ज्यादा कपड़े धोने से समय की भी बचत होती है और मशीन का उपयोग संतुलित रहता है. साथ ही, यह तरीका पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर माना जाता है.

एक नजर

श्रद्धालुओं के खोए बैग और पर्स मालिक तक पहुंचाए

रुद्रप्रयाग। यात्रा पर आ रहे लोगों के लिए पुलिस मददगार बनी है। सोमवार को तीन लोगों के खोए बैग व पर्स पुलिस ने खोजकर मालिक तक पहुंचाया। कर्नाटक से केदारनाथ यात्रा पर आए श्रद्धालु गुरु स्वामी अपना बैग एक वाहन में भूल गए थे। बैग में जरूरी सामान और दस्तावेज थे। सूचना मिलने पर सोनप्रयाग सब कंट्रोल रूम में तैनात अपर उपनिरीक्षक सागर कटारिया ने सीसीटीवी और लोगों की मदद से वाहन का पता लगाकर बैग बरामद किया और श्रद्धालु को सौंप दिया। एक अन्य मामले में मंदिर परिसर में दर्शन के दौरान एक श्रद्धालु का हैंडबैग खो गया। आरक्षी दीपक भारती ने बैग बरामद किया और स्वामी को लौटा दिया। बैग में कीमती सामान और जरूरी कागजात मौजूद थे।वहीं बंगलूरू से आए अविनाश का पर्स भैरव मंदिर के पास कहीं गिर गया था। आरक्षी दीपक पुरोहित ने तुरंत तलाश शुरू कर पर्स बरामद किया और श्रद्धालु को लौटाया।

नेत्र शिविर में 76 लोगों ने कराई जांच

रुद्रप्रयाग। सांकला बाजार में हंस फाउंडेशन ने एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया। इस दौरान चोपड़ा, कुनियाली, नाग, जयन्ती, कोठियाड़ा, चंदी गांव और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 76 लोगों ने आंखों की निशुल्क जांच कराई। जांच के दौरान 14 लोगों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। उन्हें ऑपरेशन के लिए रेफर किया गया। फाउंडेशन के कोऑर्डिनेटर राजदीप नेगी और दीपक गुसाईं ने बताया कि चयनित मरीजों को 3 मई को हंस अस्पताल का वाहन सतपुली स्थित अस्पताल ले जाएगा। ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों को घर पहुंचाया जाएगा। इस मौके पर पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख नागेंद्र पंवार, क्षेत्र पंचायत सदस्य शंभू प्रसाद कोठारी, ग्राम प्रधान पवन राणा, उम्मेद सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

बदरीनाथ में 400 से अधिक का किया गया सत्यापन

चमोली। चारधाम यात्रा को सुरक्षित संचालित कराने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से बदरीनाथ धाम में आने वाले बाहरी मजदूरों व साधू संतों का सत्यापन किया जा रहा है। धाम के आस–पास रहने वालों का भी पुलिस सत्यापन करवा रही है। इसके लिए इन दिनों बदरीनाथ थाने में लाइन लगी हुई है। सुबह से ही लोग सत्यापन कराने के लिए थाने में पहुंच रहे हैं। बदरीनाथ के थाना प्रभारी नवनीत भंडारी ने बताया कि बदीनाथ धाम में सत्यापन अभियान तेजी से किया जा रहा है। अभी तक धाम में 150 नेपाल मूल व 250 अन्य बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जा चुका है। सत्यापन कार्य लगातार जारी है।

कमेड़ा में बदरीनाथ हाईवे पर बिछाया डामर, सुगम हुई आवाजाही

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर भूस्खलन क्षेत्र कमेड़ा में एनएचआईडीसीएल की ओर से डामरीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। अब यहां वाहनों की आवाजाही सुगम हो गई है। विगत वर्ष भी यहां हाईवे का चौड़ीकरण कार्य के बाद डामर बिछा लिया गया था, मगर भूस्खलन होने से हाईव की स्थिति बदहाल हो गई थी। जिसके बाद हाईवे से मलबा हटाया गया। अब दोबारा यहां डामर बिछाकर हाईवे को सुगम बना लिया गया है। कमेड़ा में ही पेट्रोल पंप के समीप भूस्खलन क्षेत्र में हाईवे चौड़ीकरण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। यहां वाहनों की आवाजाही मुश्किल से हो पा रही थी। एनएचआईडीसीएल की ओर से हाईवे पर पत्थर की दीवार निर्माण करने के साथ ही यहां मलबे का भरान किया जा रहा है। यह काम अब पूर्ण होने वाला है। इस क्षेत्र में बरसात में भूस्खलन सक्रिय हो जाता है। जिससे हाईव बदहाल स्थिति में पहुंच जाता है।

एसटीपी प्लांटों से समय–समय पर सैंपल लेकर करें जांच

चमोली। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने गंगा संरक्षण समिति की बैठक में गंगा व सहायक नदियों की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने नमामि गंगे के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ मिलकर समय–समय पर एसटीपी प्लांटों से सैंपल लिए जाएं और देखा जाए कि वह मानकों के अनुरूप संचालित हो रहे हैं या नहीं। सीडीओ ने नगर पालिका व नगर पंचायतों व संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि एसटीपी प्लांटों का संचालन सुचारु रखने व रखरखाव के लिए नियमित कार्य किए जाएं। एसटीपी की समय–समय पर जांच करें जिससे नदी में गंदा पानी न जाए। उन्होंने निकाय क्षेत्रों में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन, कूड़ा फैलाने वाले व्यावसायिक संस्थानों पर चालान कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर पालिका व नगर पंचायतों को मासिक कलेक्शन व प्रति रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नमामि गंगे के जिला परियोजना अधिकारी गोविंद बुटोला ने जिला गंगा संरक्षण समिति की होने वाली कार्रवाई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे सहित संबंधित अधिकारी, नगर पालिका व नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी मौजूद रहे।

गो भक्तों ने निकाली रैली

चमोली। गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने और गो मंत्रालय बनाने की मांग के लिए गो भक्तों ने रैली निकाली। उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। गो सम्मान आह्वान समिति के प्रेम चंद्र देवराड़ी और नंदा बल्लभ देवराड़ी ने कहा कि भारतीय गोवंश सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने गोवंश की वर्तमान पीड़ादायक स्थिति पर चिंता जताई और उनकी सुरक्षा व सेवा की आवश्यकता बताई। इस दौरान भाग चंद्र आगरी, पार्षद दिवाकर नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता गंगा सिंह बिष्ट, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष दीपा भारती, सुनीता बिष्ट और संजय जोशी भी उपस्थित थे। वहीं गैरसैंण में जनप्रतिनिधियों और गो पालकों ने तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को गो सुरक्षा व सम्मान के लिए ज्ञापन सौंपा। पूर्व राज्यमंत्री सुरेश कुमार, ज्येष्ठ उपप्रमुख लीलाधर जोशी, महिला सशक्तीकरण की ब्लॉक अध्यक्ष राधा बिष्ट, सरोप सिंह, राजे सिंह, रमन सिंह चंद्र आदि ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

बदरीनाथ हाईवे पर उमट्टा में वाहनों में नहीं लगेंगे झटके

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग के पास उमट्टा में अब वाहनों की राह आसान हो सकेगी। साथ ही चारधाम यात्रा सहित अन्य यात्रियों को यहां अब गड्ढों पर झटके भी नहीं लगेंगे। एनएचआईडीसीएल इन दिनों उमट्टा में सड़क का सुधारीकरण कर रहा है।

गैस बुकिंग में लापरवाही, सड़क पर उतरा उक्रांद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में गैस बुकिंग के नाम पर हो रही लापरवाही पर उत्तराखंड क्रांति दल ने रोष व्यक्त किया है। दल ने शहर में आक्रोश रैली निकालते हुए व्यवस्थाओं में सुधार की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सोमवार को कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने झंडाचौक से तहसील तक आक्रोश रैली निकाली। इसके बाद उन्होंने प्रशासन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजा। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में खाड़ी देशों में हो रहे युद्ध के कारण गैस के लिए वैश्विक संकट है। लेकिन, कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के लिए गैस वितरण के लिए दो मानक बना दिए गए हैं। एक ही शहर को शहर व ग्रामीण क्षेत्र में बांट दिया गया है। गैस बुकिंग के लिए शहरी क्षेत्र में 25 दिन व ग्रामीण क्षेत्र के लिए 45 दिन किया गया है, जबकि

कोटद्वार में आक्रोश रैली निकालते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

एक सामान्य परिवार में गैस सिलेंडर लगभग 25 दिन में ही समाप्त हो जाता है। सरकार की तरफ से ग्रामीण क्षेत्र के लिए खाना बनाने के लिए दूसरा विकल्प भी नहीं दिया गया है। इन परिस्थितियों में सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है। मांग की गई कि पूरे शहर में 25 दिनों के अंतराल में ही गैस आवंटन की व्यवस्था की जाए। इस मौके पर डा. शक्तिशैल कपरवाण, नरेश धस्माना, महेंद्र सिंह रावत, देवेंद्र रावत, भारत मोहन काला, संदीप पंवार, हयात सिंह गुसांई, भावती प्रसाद कंडवाल, दिनेश जुयाल, मोहन सिंह नेगी, गुलाब सिंह मौजूद रहे।

रोवर रेंजर्स का एक दिवसीय शिविर सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण के रोवर रेंजर्स सेल की ओर से सोमवार को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. योगेंद्र चंद्र ने किया। इस दौरान रोवर रेंजर्स के प्रभारी डॉ. विक्रम रौतेला ने लीडरशिप, हाइकिंग एवं ट्रेकिंग और दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक उपचार के संबंध में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रोवर एंड रेंजर्स के छात्रों को विषम परिस्थितियों में वालंटियर के रूप में अपने दायित्वों के निर्वहन का बोध करवाना था। इस मौके पर रोवर एंड रेंजर्स सहायक धर्म सिंह मौजूद रहे।

गो माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग को निकाली रैली

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : गो माता को राष्ट्रमाता का गौरवपूर्ण दर्जा दिलाने की मांग को लेकर थलीसैंण में जिला पर्यावरण प्रमुख ललिता प्रसाद ममगाई के नेतृत्व में रैली निकाली गई। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को तहसील प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। इस मौके पर वक्ताओं ने गौ माता के महत्व पर प्रकाश डाला और लोगों को गौ संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति और परंपरा की आधारशिला है, और उनका सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसा कानून बनना चाहिए, जिसमें गौ हत्या पर पूर्ण रोक लगाई जाए। इस अवसर पर रणूलाल, माधव सिंह भंडारी, मनीष धस्माना, अजयपाल, हरी सिंह, देवेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र आदि मौजूद थे।

चार दिन से जलापूर्ति ठप, हैंडपंप भी सूखे

रुद्रप्रयाग। एक तरफ चिलचिलाती गर्मी दूसरी तरफ पेयजल की समस्या लोगों पर दोहरी आफत बन रही है। नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के सिल्ली सेरा वार्ड में पेयजल संकट गहरा गया है। यहां नगर पंचायत कार्यालय के सामने वाले क्षेत्र में चार दिनों से पानी की आपूर्ति बंद है जिससे लोगों को भीषण गर्मी में स्रोतों से पानी भरना पड़ रहा है। मगर स्थिति यह है कि स्रोतों पर पानी घट गया है और हैंडपंप सूख चुके हैं जिससे मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्थानीय पवित्रा देवी जमलोकी ने बताया कि पानी की कमी के कारण वृद्धावस्था में भी उन्हें दूर–दूर तक पानी भरने जाना पड़ रहा है। वहीं स्कूल से लौटने वाले बच्चे भी नजदीकी हैंडपंपों पर पानी न मिलने से निराश होकर लौट रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने जल संस्थान से जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। इधर जल संस्थान के अपर सहायक अभियंता सोनू बिष्ट ने बताया कि फिटर को मौके पर भेजकर लाइन की जांच के निर्देश दिए गए हैं। शीघ्र समस्या दूर कर दी जाएगी।

दुकान व रेस्टोरेंट में लगी आग, सामान हुआ खाक

दुकान पर लगी आग को बुझाने का प्रयास करते दमकल कर्मी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही क्षेत्र में आग लगने की घटना भी बढ़ने लगी है। सोमवार को बेलाडाट स्थित एक रेस्टोरेंट व गाड़ीघाट स्थित एक दुकान में आग लग गई। आग लगने से दुकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गई।

सोमवार सुबह कुछ लोगों को गाड़ीघाट क्षेत्र में एक टीन शेड की बनी दुकान के भीतर से धुंआ निकलता हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना लोगों ने दमकल विभाग को दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने टीन शेड से निर्मित दुकान का दरवाजा तोड़ा तो भीतर से आग की लपटे बाहर को निकलने लगी। दमदल विभगा ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान स्वामी दिनेश गुसांई ने बताया कि करीब एक वर्ष से उनकी दुकान बंद पड़ी हुई थी। वहीं, दोपहर लगभग दो बजे बेलाडाट चौराह के समीप द फूडी फ्रेंड्स फैमली रेस्टोरेंट में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान स्वामी ने बताया कि आग लगने से उनकी दुकान में रखा फर्नीचर सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

छात्र प्रमोद कुमार को पीटीए ने किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज पुरियाडांग में सोमवार को बोर्ड परीक्षा में दसवीं में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य स्तरीय मेरिट में 15वां स्थान हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले ग्राम कलेथ निवासी प्रमोद कुमार और उसकी माता श्रीमती कविता देवी को सम्मानित किया। प्रमोद कुमार की माता ने शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया है। प्रमोद ने अपनी उपलब्धि का श्रेय शिक्षकों, गुरुजनों, ऑनलाइन गुरु, समय-समय पर शिक्षक-शिक्षिकाओं का मार्ग दर्शन और माता श्रीमती कविता और बहनों को दिया। प्रमोद की माता श्रीमती कविता देवी आंगनबाड़ी कार्यकत्री है और पिताजी होटल में कार्य करते है। सम्मान समारोह में विद्यालय प्रधानाचार्य मनोज कुमार घुनियाल, विद्यालय संरक्षक पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह नेगी, समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, एसएमसी अध्यक्ष जसवीर रावत, ग्राम पंचायत प्रधान अशोक रावत, वर्तमान पीटीए अध्यक्ष हिमानी भंडारी ने छात्र प्रमोद कुमार और उसकी माता को सम्मानित किया। साथ ही कक्षा 12वीं की छात्रा आराधना और कक्षा 12 वीं में शुभम रावत 82 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृति योजना 2025 परीक्षा में सफल होने वाली दिया एवं एंजेल रावत को मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृति के चेक वितरण किए गए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रवक्ता हिंदी क्रांति कुमार आर्य ने किया।

छात्र का दूसरे दिन भी नहीं मिला सुराग, छात्रों ने बंद कराया एनआईटी परिसर

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा नदी में बहे एनआईटी के बीटेक तृतीय वर्ष (कंप्यूटर साइंस) के छात्र आनंद सोहन का सोमवार को दूसरे दिन भी पता नहीं मिल पाया है। वहीं सर्च ऑपरेशन में कथित देरी और संसाधनों की कमी से आक्रोशित छात्रों ने सोमवार को संस्थान का परिसर बंद करा दिया। चिलचिलाती धूप में धरने पर बैठे छात्रों ने प्रशासन और बचाव दलों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने तलाशी अभियान में एनडीआरएफ को शामिल करने की मांग की। देर शाम तक छात्र धरने पर डटे रहे।

मूल रूप से तेलंगाना निवासी आनंद सोहन बीते 26 अप्रैल को दोस्तों के साथ अलकनंदा नदी तट पर गए थे और नहाते समय डूब गए। दूसरे दिन भी छात्रा का पता नहीं चल पाया तो आक्रोशित छात्रों ने एनआईटी का परिसर बंद करा दिया। छात्रों ने आरोप लगाया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन एसडीआरएफ के पास करीब डेढ़ घंटे तक कोई उपकरण नहीं था। बचाव दल यात्रा ड्यूटी में व्यस्त होने का हवाला देता रहा। अमन ने कहा कि हमने उसे बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन बचा नहीं पाए। छात्रों ने रोष जताया कि अलकनंदा किनारे स्थित होने और कॉलेज में एडवेंचर क्लब होने के बावजूद संस्थान के पास आपात स्थिति के लिए लाइफ जैकेट तक नहीं है। छात्र सर्वेश ने कहा कि उपजिलाधिकारी मौके पर आएं और संस्थान के डायरेक्टर से बात कर स्पष्ट करें कि अब तक बचाव कार्य में क्या हुआ है। हर्षित त्रिपाठी ने गोताखोरों की संख्या बढ़ाने, रेस्क्यू बोट की व्यवस्था मजबूत करने और तत्काल एनडीआरएफ को बुलाने की मांग की। सार्थक ने बताया कि बचाव दल बोट और हुक की मदद से तलाश कर रहा है। छात्रों का आरोप है कि प्रशासन ने शाम होते ही सर्च अभियान रोक दिया। छात्रों के हंगामे की सूचना पर श्रीनगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि पुलिस और एसडीआरएफ की ओर से छात्र को खोजने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। हालांकि छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे और वार्ता बेनतीजा रही। धरने पर हेमंत मुनि, आशुतोष सिंह, नमन पंवार, अक्षय मीणा, ऋतिक शिवालय और कुशाग्र पांडेय समेत बड़ी संख्या में छात्र डटे हुए हैं। वहीं पुलिस और एसडीआरएफ का कहना है कि घटना के बाद से ही लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है।

बच्चों में बढ़ा बीमारियों का खतरा, जिला अस्पताल अलर्ट मोड पर

रुद्रप्रयाग। जनपद में लगातार बढ़ रही गर्मी और लू ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण डिहाइड्रेशन, त्वचा में जलन, आंखों का लाल होना, सिरदर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।

जिला अस्पताल सहित स्वास्थ्य केंद्रों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसके देखते हुए जिला अस्पताल में इंतजाम भी किए गए हैं। लू का सबसे ज्यादा असर बच्चों में दिख रहा है। तेज बुखार, पानी की कमी, सुस्ती और उल्टी जैसी शिकायतों के कारण बच्चे जल्दी बीमार पड़ रहे हैं। स्कूलों में बच्चों को राहत देने के लिए वॉटर बेल शुरू की गई है ताकि समय–समय पर पानी पिलाया जा सके और बच्चों को गर्मी से बचाया जा सके। जिला अस्पताल में लू से प्रभावित मरीजों के लिए 6 बेड का वार्ड तैयार किया गया है। जरूरत पड़ने पर मरीजों को भर्ती किया जाएगा। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों और चिकित्सा इकाइयों को अलर्ट मोड पर रखा है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रुचिका भट्ट ने बताया कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होती इसलिए उन्हें गर्मी से सबसे ज्यादा खतरा रहता है। बच्चों को ओआरएस, नारियल पानी और अन्य तरल पदार्थ देते रहें। तेज धूप में बाहर न निकलने दें। यदि बच्चा सुस्त हो जाए,

नदियों के संरक्षण के लिए तय मानकों का पालन करें : सीडीओ

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में सोमवार को गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने गंगा और उसकी सहायक नदियों में स्वच्छता को बनाए रखने को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नगर पालिका, पंचायतों और जिला पंचायत के अधिकारियों को नदियों के संरक्षण के लिए तय मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक के दौरान नगर पालिका और पंचायतों के साथ ही संबंधित विभागों को एसटीपी का संचालन सुचारु रुप से करने और रख-रखाव को लेकर नियमित कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसटीपी से उपचारित जल एनजीटी के मानको के अनुरूप हो। साथ ही सभी निर्धारित मानकों को समय-समय पर जांच लिया जाए जिससे गंदा पानी नदियों में न जाए। साथ ही उन्होंने नगर पालिका और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को डोर-टू-डोर कलेक्शन की व्यवस्था को बेहतर करने और कूड़ा फैलाने वाले व्यावसिक संस्थानों पर चालान

करके सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने नगर पालिका और नगर पंचायत को निर्देशित किया की उनके द्वारा मासिक आधार पर कलेक्शन एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उन्होंने नमामि गंगे के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ मिलकर समय-समय पर प्लांट से सैंपल लिया जाए और देखा जाए कि वह मानकों के अनुरूप हो। जिला परियोजना अधिकारी, नमामि गंगे गोविंद बुटोला ने बताया कि जिला गंगा संरक्षण समिति, चमोली की नियमित बैठकें आयोजित की जा रही है। 2017 से समिति के गठन के बाद 77 बैठकें आयोजित की जा चुकी है। वर्ष 2026-27 की यह प्रथम बैठक है।

घनसाली में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, सरकार को घेरा

नई टिहरी। रसोई गैस किल्लत के विरोध में और अंकिता भंडारी हत्याकांड के आरोपियों को फांसी देने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक भीम लाल आर्य के नेतृत्व में घनसाली में प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने बैरियर से इंडियन गैस एजेंसी तक रैली निकालकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सरकार से तत्काल गैस की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की। पूर्व विधायक आर्य कंधे पर खाली सिलिंडर लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सीमांत घनसाली विधानसभा क्षेत्र तीर्थाटन और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है लेकिन पूरे क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत से लोग परेशान हैं। चारधाम यात्रा के चलते घनसाली और चमियाला का होटल व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड के आरोपियों को तत्काल फांसी की सजा देने की मांग की।ज्येष्ठ प्रमुख प्यार सिंह बिष्ट ने कहा कि चारधाम यात्रा चरम पर है लेकिन बाहर से आने वाले यात्रियों को होटल में

रसोई गैस की व्यवस्था न होने से आसानी से भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। अंकिता भंडारी हत्याकांड

को लंबा समय बीत चुका है लेकिन अभी तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल पाया है। प्रदर्शनकारियों में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद जोशी, जसवीर नेगी, आशा रावत, बालकृष्ण नौटियाल, हिम्मत सिंह रौंतेला, देव सिंह बिष्ट, कुंवर सिंह रावत, मुन्नी देवी, ममता पंवार, सूरत सिंह रावत, कैलाश बडोनी, विजय राणा, शशांक जोशी, अरुण टम्टा, अक्षित रावत आदि शामिल रहे।

उद्घाटन से पहले ही खोखली हुई नौ करोड़ की मंडी की बुनियाद

नई टिहरी। ऋषिकेश–चंबा मोटर मार्ग पर बनी नौ करोड़ रुपये की बगरधार मंडी परिषद उद्घाटन से पहले ही खतरे की जद में आ गई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरसाती पानी की निकासी के ठोस उपाय नहीं होने से मंडी की सुरक्षा दीवार खोखली होने लगी है। साथ ही डागर गांव के लोगों के खेतों में मलबा भरने के साथ ही छह परिवारों को खतरा पैदा हो गया है। बरसाती पानी बगरधार मंडी परिषद से होकर नीचे डागर गांव की तरफ बह रहा है। इससे नौ करोड़ रुपये खर्च कर बनाई गई मंडी की सुरक्षा दीवार की बुनियाद कमजोर हो रही है। मंडी के भवन को भी अब खतरा पैदा हो गया है। बरसाती पानी के कारण डागर गांव की कई नाली कृषि भूमि मलबे से दब गई है। ग्रामीणों की कई नाली खेती भी चौपट हो गई है। गांव के छह परिवारों के आवासीय भवन भी खतरे की जद में आ गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए कई विभागों के चक्कर काट चुके हैं। हालांकि, अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते कदम न उठाए तो बड़ा खतरा हो सकता है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहे। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान परागकी रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविकेजा रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। टीम

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश और विष्णु विनोद.

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान),शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नाद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह और ब्रिजेश शर्मा.

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का किया सूपड़ा साफ, थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी।

चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एप्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

US ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया।

इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा भूपति पर 21-11, 21-17 से जीत हासिल की। हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन ने दूसरे युगल मुकाबले में एंडिका रामाडियांस्या और एफ्रैम स्टीफन सैम को 21-12, 21-10 से हराया जिससे भारत इस मुकाबले में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

आईपीएल में ऑरेंज कैप की सूची में अभिषेक, पर्पल कैप की सूची में अंशुल शीर्ष पर

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। इसके बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 380 रनों के साथ ही शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 330 रन बनकर पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में हर मैच के साथ बदलाव आ रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पाँच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शुभमन 330 रन बनाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। शीर्ष पाँच में अन्य बल्लेबाजों में केएल राहुल और वैभव सूर्यवंशी दोनों 357 रनों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि हेनरिक क्लासेन 349 रनों के साथ चौथे स्थान पर काबिज हैं। इससे साफ है कि ऑरेंज कैप की दौड़ में कड़ा मुकाबला जारी है। दूसरी ओर गेंदबाजों के लिए पर्पल कैप की टक्कर और भी रोमांचक हो गई है। सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही इस दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। उन्होंने 14 विकेट लेकर सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा 14 को पीछे छोड़ दिया है, हालांकि दोनों गेंदबाजों के विकेटों की संख्या समान है। मुम्बई इंडियंस के जोफ्रा आर्चर 13 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 13 लेकर शीर्ष पाँच में प्रवेश कर लिय है, वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी कगिसो रबाडा 13 विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स

हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

रहाणे ने जीत का श्रेय रिंकू की पारी को दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) कप्तान आजिंक्य रहाणे ने सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत पर खुशी जतायी है। रहाणे ने इस जीत का श्रेय रिंकू सिंह की धमाकेदार बल्लेबाजी को दिया है। रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी ने मैच बदल दिया। उसके कारण ही उनकी टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। रिंकू ने इस मैच में एक ही ओवर में चार छक्के लगाकर 83 रनों की पारी खेली। इससे अंक तालिका में केकेआर पहली बार एक स्थान ऊपर आयी है। मैच के बाद जब रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी से अंतर आया। रहाणे ने कहा कि रिंकू ने जिस प्रकार से 16 ओवर के बाद बल्लेबाजी की है उससे मैं बेहद खुश हूं।उसकी पारी ने सब बदल दिया। जिस प्रकार उसने अंतिम ओवर में रन बटोरे उससे ही हम मैच में वापस आये। वहीं पिच की सराहना करते हुए रहाणे ने कहा, हमने यहां मुश्ताक अली खेला था और जिस पिच पर हमने खेला वह मुश्ताक अली जैसी ही थी। इसलिए हमने सोचा कि जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो इस विकेट पर 160, 170 बहुत अच्छा लक्ष्य होगा, लेकिन हमारी टीम पावर प्ले में रन नहीं बनाने के कारण पिछड़ गयी। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदाबाजों ने काफी अच्छी गेंदबाजी की।

वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे। कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस

बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था। कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफा आर्चर की भी पिटाई की थी। कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है।उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है। वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं। कैफ ने कहा, वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो। गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं। इसके अलावा, 15 साल की उम्र में दिमाग शांत बने रहना उसका एक दुर्लभ गुण हैया। वह इसी प्रकार खेलता रहे तो भारतीय क्रिकेट को दो शतक के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज मिल जाएगा।

ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी , वापसी के लिए प्रयास किया

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली।

किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए,

शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अपने अनुभव पर किशन ने कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है।

चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप से बाहर हो सकती हैं मीराबाई चानू

नई दिल्ली । भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की चोट लग गई थी। यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं।' भारतीय टीम में मीराबाई की जगह कोमल कोहर को शामिल किए जाने की संभावना है। मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 31 साल की मीराबाई ने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा और 116 किग्रा) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। मीराबाई 23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी जिसके बाद अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेले 2026 के लिए वह अपना वजन बढ़ाकर 53 किग्रा वर्ग में आ जाएंगी। एशियाई खेल ही एकमात्र ऐसा बड़ा टूर्नामेंट है जिसमें मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने अभी तक कोई पदक नहीं जीता है। साथ ही यह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी होगा। एशियाई चैंपियनशिप मूल रूप से एक से 10 अप्रैल तक होनी थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे एक महीने से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। यह संघर्ष अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों से शुरू हुआ था। यह पहली बार होगा जब भारत सीनियर महाद्वीपीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

बीसीसीआई ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए केकेआर के अंगक्रिश पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के उभरते हुए बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी पर जुर्माना लगाया है। अंगक्रिश पर ये जुर्माना केकेआर को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली जीत के बाद लगाया गया। बोर्ड की आईपीएल गवर्निंग बॉडी ने इस बल्लेबाज पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, उन्हें लीग उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस बल्लेबाज पर ये कार्रवाई उसकी उग्र प्रतिक्रिया को देखते हुए की गयी है। बीसीसीआई की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि अंगक्रिश को आईपीएल आचार संहिता के तहत लेवल 1 अपराध का दोषी पाया गया है। यह क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदान उपकरण आदि के दुरुपयोग से संबंधित है। अंगक्रिश ने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना गया। गौरतब है कि यह मामला तब का है जब तीसरे अंपायर के आउट दिए जाने के बाद अंगक्रिश ने आपा खो दिया और पवेलियन लौटते समय बल्ले से बाउंड्री कुशन पर मारा और अपना हेलमेट भी जमीन पर फेंक दिया। उनकी यह प्रतिक्रिया खेल भावना के विपरीत मानी गई और इसी के चलते उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। गौरतलब है कि ये यह पूरा विवाद केकेआर की पारी के पांचवें ओवर का है। तब इस बल्लेबाज ने प्रिंस यादव की गेंद पर शॉट खेला और तेजी से एक रन लेने के लिए दौड़े।

'उसे लैब में टेस्ट करवाओ', वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में बोले पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट नियाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के बच्चे के लिए क्रिकेट बॉल को उस तरह से मारना आम बात नहीं है जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी मार रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन की शुरुआत से ही सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक बनकर उभरे हैं। वह रन बनाने वालों की लिस्ट में टॉप पर पहुंचने की कोशिश भी कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि सीजन के आखिर में ऑरेंज कैप उनकी होगी। पाकिस्तान के एक शो में क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज ने मजाक में कहा कि राजस्थान रॉयल्स के इस ओपनिंग बल्लेबाज के अंदर एक AI चिप लगी हुई है क्योंकि वह जिस आसानी से छक्के मार रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा ही लगता है, जबकि वह अभी टीनएजर ही हैं।

नियाज ने एक वीडियो में कहा, 'यह लड़का

है क्या बला! जैसे WADA डोपिंग टेस्ट करता है, वैसे ही इसे भी किसी लैब में भेजना चाहिए, शायद इसके अंदर कोई AI चिप लगी हुई है। यह बिल्कुल ही अविश्वसनीय है, यार। मेरा मतलब है, मुझे इससे बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। क्या जबरदस्त खिलाड़ी है यह।' नियाज ने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (SRH के खिलाफ) थोड़ा धीमा खेला, उसका स्ट्राइक-रेट 300 होना चाहिए था।'

उन्होंने कहा, 'ठीक है तो मेडिकल तौर पर, जब आप 18 साल के होते हैं, तो आपका पूरा शरीर आकार लेना शुरू करता है। आपके कंधे गोल हो जाते हैं, मांसपेशियां बनती हैं, ट्राइसेप्स, बाइसेप्स और आपका कोर मजबूत होता है, क्योंकि उस समय आपके शरीर में हॉर्मोन और टेस्टोस्टेरोन का स्तर अपने चरम पर होता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले सालों में सूर्यवंशी का विकास और कितना ज्यादा हो सकता है।

पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट ने सूर्यवंशी की उन खूबियों के बारे में भी बात की, जो उन्हें बाकी सबसे अलग बनाती हैं। नियाज ने कहा, 'वह 16 साल का है। जब वह पैदा हुआ था, तब विराट कोहली पहले से ही वर्ल्ड चैंपियन बन चुके थे। वह पहले ही जीत चुके थे। अब आप उसमें क्या देखते हैं? मैंने यह पता लगाने की कोशिश की कि यह फर्क क्यों है। ठीक है, उसके पास बहुत ज़्यादा तकनीक नहीं है। यह उसकी ताकत नहीं, बल्कि उसकी तकनीक है (जो उसे इस तरह खेलने में मदद करती है)। खेलते समय उसकी कलाई का इस्तेमाल और उसका आर्क, ये दोनों ही बड़े फैक्टर हैं।''

सूर्यवंशी IPL 2026 सीज़न में सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 8 मैचों में कुल 357 रन बनाए हैं। इस सीजन में वह अब तक एक शतक और तीन अर्धशतक बना चुके हैं और उसका स्ट्राइक रेट 234 से भी ज्यादा है।